E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -95 प्रयागराज, शुक्रवार 20 जून, 2025 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

बोइंग-787 ड्रीमलाइनर संकट के बीच 'फाल्कन' को लेकर अच्छी खबर डसॉल्ट और रिलायंस मिलकर भारत में बनाएंगे एग्जीक्यूटिव जेट

नयी दिल्ली। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन

ने रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड के साथ मिलकर भारत में फाल्कन 2000 एलएक्सएस एग्जीक्यूटिव जेट बनाने की योजना तैयार की। ये जेट वैश्विक बाजार के लिए होंगे और उम्मीद है कि पहला जेट 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इस साझेदारी से भारत, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के खास क्लब में शामिल हो जाएगा। इसके लिए नागपुर में डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड के प्लांट को 400,000 वर्ग फीट तक बढ़ाया जाएगा। इस काम के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। डसॉल्ट एविएशन का कहना है कि 2028 तक ये जेट बनकर तैयार हो जाएंगे। कंपनी के अनुसार, भारत अब एक महत्वपूर्ण वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में उभरेगा। डसॉल्ट एविएशन ने पेरिस एयर शो में एक बयान जारी करते हुए कहा, 'यह पहली बार है कि डसॉल्ट एविएशन फ्रांस के बाहर फाल्कन 2000 जेट का निर्माण करेगी, जिससे भारत एक रणनीतिक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह भारत के लिए एक

ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है।'यह करार ऐसे समय में हुआ है, जब अपने 787 ड्रीमलाइनर की वजह से अमेरिका की विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग इसकी सुरक्षा को लेकर सवालों के घेरे में है। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद इसके विमानों की सुरक्षा को लेकर सघन जांच की जा रही है।नागपुर के मिहान में स्थित डीआरएएल प्लांट में फिलहाल फाल्कन लाइन के लिए फ्यूजलेज के हिस्से और कंपोनेंट बन रहे हैं। अब इसे बढ़ाकर 4,00,000 वर्ग फीट का कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। यहां हर साल 22 एग्जीक्यूटिव जेट बनाने की क्षमता होगी। हालांकि, विमानों की वास्तविक संख्या वैश्विक ऑर्डर और भारत की जरूरतों पर निर्भर करेगी। डीआरएएल की पिछली योजनाओं के अनुसार, फाल्कन 2000 बिजनेस जेट का पहला मॉडल 2022 तक बनकर तैयार हो जाना था। लेकिन, कोविड-19 महामारी के कारण योजनाएं पटरी से उतर गईं। महामारी का असर नागरिक जेट की वैश्विक मांग पर भी पड़ा।एक बार पूरा हो जाने पर यह भारत में नागरिक जेट बनाने वाली पहली प्रोडक्शन लाइन होगी और इससे 'मेक इन इंडिया' अभियान को नई धार मिलेगी। फिलहाल, टाटा, एयरबस के साथ मिलकर सी-295 (ए 295) सैन्य परिवहन विमान बनाता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों सहित कई तरह के विमान बनाता है।भारत में एग्जीक्यूटिव जेट के निर्माण के साथ ही डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड फाल्कन श्रृंखला के लिए उत्कृष्टता केंद्र बन जाएगा। इसमें फाल्कन 6एक्स और फाल्कन 8एक्स कार्यक्रम भी शामिल हैं, जिनका उपयोग ज्यादातर नागरिक कार्यों के लिए होता है, लेकिन इन्हें सैन्य उपयोग के लिए भी बदला जा सकता है। डसॉल्ट एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा कि यह समझौता डीआरएएल के विस्तार को दर्शाता है, जिसकी स्थापना 2017 में हुई थी और यह राफेल लड़ाकू जेट सौदे के लिए ऑफसेट दायित्वों को पूरा कर रहा है।ईटी की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, डीआरएएल के आंतरिक अनुमानों में दावा किया गया है कि मेक इन इंडिया परियोजना से नागपुर में कम श्रम और उत्पादन लागत के कारण फ्रांस की तुलना में 5 मिलियन डॉलर का लागत लाभ हो सकता है। एक फाल्कन 2000एलएक्स की कीमत 35 मिलियन डॉलर से ज्यादा है।

अब कनाडा की खुफिया एजेंसी ने भी माना- कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे खालिस्तानी चरमपंथी

नयी दिल्ली। आखिरकार

कनाडा ने भी मान लिया है कि खालिस्तानी आतंकी कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे हैं। भारत सरकार लंबे समय से यह बात कह रही है, लेकिन पूर्व की ट्रूडो सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब कनाडा में मार्क कार्नी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने माना है कि खालिस्तानी कनाडा का इस्तेमाल भारत में हिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं। कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडा सिक्योरिटी इंटेलीजेंस सर्विस ने अपनी एक रिपोर्ट में पहली बार आधिकारिक रूप से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी और उनके भारत में हिंसा से जुड़ाव को स्वीकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी भारत में हिंसा का समर्थन करने, हिंसा के लिए फंड इकट्ठा करने और हिंसक गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सीएसआईएस ने अपनी 2024 सालाना रिपोर्ट में भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं पर अपनी मुहर लगाई है और माना है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी है। यह भारत के लिहाज से अहम बात है। रिपोर्ट में लिखा है कि '1980 के मध्य में राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ की शुरुआत कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों से हुई, जो हिंसा के जरिए भारत के पंजाब में एक अलग देश खालिस्तान बनाना चाहते हैं। अब कनाडा में थोड़ी संख्या में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा के जरिए अपनी कोशिशों में जुटे हैं।कनाडा की खुफिया एजेंसी का यह खुलासा ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की यात्रा की और वे जी-7 सम्मेलन में शामिल हुए। साल 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई थी। कनाडा की जांच एजेंसियों ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का दावा किया था। हालांकि भारत ने हमेशा इससे इनकार किया। भारत ने कनाडा पर भारत-विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। अब कनाडा में मार्क कार्नी की सरकार सत्ता में आने के बाद फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों में मिठास आनी शुरू हो गई है। दोनों नेता राजनयिक संबंध फिर से स्थापित करने और व्यापार संबंधी बातचीत फिर से शुरू करने के लिए सहमत हुए हैं।

इजराइल छोड़िए, ईरान ने अमेरिका का तोड़ दिया घमंड, मार गिराया सबसे कीमती एफ-35 जेट

नयी दिल्ली। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजरायल के पांचवें एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। यह दावा वरामिन काउंटी के प्रमुख ने बुधवार को किया। उन्होंने आईआरएनए समाचार एजेंसी से कहा कि ईरान के एयर डिफेंस फोर्सेज ने तेहरान प्रांत के वरामिन शहर के ऊपर एक इजरायली एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया। हालांकि, इजरायल ने अभी तक अपने एक भी एफ-35 लड़ाकू विमान के ईरान में मार गिराए जाने की पुष्टि नहीं की है। अगर ईरान का दावा सच साबित होता है तो यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका होगा, जो एफ-35 को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमान बताता है।इजरायली सेना ने शुक्रवार को तड़के राइजिंग लॉयन नामक एक बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया, जिसमें कहा गया कि इसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के सैन्य लक्ष्यों और सुविधाओं पर हमला किया है। इजरायली वायु सेना ने तेहरान सहित पूरे ईरान में कई हमलों को अंजाम दिया, जिसमें ईरानी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स कमांडर के साथ-साथ कई परमाणु वैज्ञानिकों सहित कई वरिष्ठ ईरानी सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। इजरायल ने ईरान के नतांज और फोर्डो सहित कई परमाणु स्थलों पर भी हमला किया।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को अपराध बताया और इजरायल को 'कड़वे और भयानक अंजाम' की धमकी दी। ईरान ने शुक्रवार शाम को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 शुरू करके जवाबी कार्रवाई की, जिसमें इजरायल के अंदर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान के हमलों में इजरायल को भी जानमाल का नुकसान हुआ है। इन हमलों में कई इजरायली नागरिकों के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर इमारतों और गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है। एफ-35 लड़ाकू विमान को अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने बनाया है। यह एक सिंगल सीट, सिंगल इंजन, ऑल वेदर स्टील्थ मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है। इसका उद्देश्य एयर सुपीरियॉरिटी और स्ट्राइक मिशन दोनों को अंजाम देना है। यह इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और खुफिया, निगरानी और टोही मिशन को भी संचालित करने में सक्षम है। एफ-35 को बनाने में लॉकहीड मार्टिन के अलावा नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन और बीएई सिस्टम्स का भी योगदान है। एफ-35 के तीन प्रमुख वेरिएंट हैं: पारंपरिक टेकऑफ़ और लैंडिंग एफ-35ए, शॉर्ट टेक-ऑफ़ और वर्टिकल-लैंडिंग एफ-35बी, और कैरियर-आधारित एफ-35सी। इस विमान के विकास में अमेरिका के अलावा नाटो के भागीदार देशों और यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इटली, नॉर्वे, डेनमार्क, नीदरलैंड ने सहयोग किया है। एफ-35 के ऑपरेटरों में ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, डेनमार्क, इजरायल, इटली, जापान, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका शामिल हैं।

5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, आरोपी ने चाकलेट दिलाने के बहाने बुलाया चीखने पर जान से मारने की धमकी दी

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक

ने पड़ोस में रहने वाली 5 साल की बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। बच्ची के चीखने पर जान से मारने की धमकी दी। परिजनों ने इसकी जानकारी हुई तो चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।पुलिस की अब तक की जानकारी में आया है कि आरोपी ने बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने अपने पास बुलाया। उसके बाद उसके साथ दरिंदगी करने की कोशिश की।इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया राजा बाजार निवासी एक परिवार की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उनका आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला सैफ उसको बहाने से साथ ले गया। उसके साथ अश्लीलता कर गलत काम करने की कोशिश की। बच्ची के रोने पर छोड़कर भाग निकला। आरोपी युवक को पकड़ कर पूछताछ की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में अब सियार और लोमड़ी के हमले में जान गंवाने वालों को मिलेगा 4 लाख का मुआवजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने लोमड़ी और सियार के हमले से होने वाली मृत्यु को

राज्य आपदा घोषित कर दिया है। इसके बाद पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। हालांकि मधुमक्खियों के हमले और इमारत गिरने से होने वाली जनहानि को अभी इस श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। यह निर्णय मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित राज्य कार्यकारी समिति की संस्तुति के बाद लिया गया है। अब राज्य आपदा की श्रेणी में कुल 11 वन्यजीव शामिल हो गए हैं। पोस्टमार्टम में हमले से मृत्यु की पुष्टि होने पर ही मुआवजा दिया जाएगा।राज्य सरकार ने लोमड़ी और सियार के हमले से होने वाली मृत्यु को राज्य आपदा घोषित कर दिया है। अब इनके काटने से होने वाली मृत्यु पर पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। मधुमक्खियों व इमारत गिरने से होने वाली जनहानि को फिलहाल राज्य आपदा की श्रेणी में नहीं रखा गया है। शासन ने सुझाव दिया है कि पहले वन विभाग से यह जान लिया जाए कि मधुमक्खियां वन्य जीव में आती हैं या नहीं। अगर वन्य जीव में आती हैं को उनके हमलों को भी राज्य आपदा घोषित किए जाने पर विचार किया जाएगा।मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित राज्य कार्यकारी समिति ने पिछले माह लोमड़ी, सियार और मधुमक्खी के हमले से होने वाली मौत को राज्य आपदा में शामिल करने की संस्तुति की थी। शासन ने लोमड़ी और सियार के हमले को राज्य आपदा के रूप में अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही अब राज्य आपदा की इस श्रेणी में कुल 11 वन्यजीव शामिल कर लिए गए हैं। अभी तक यूपी में मगरमच्छ, हाथी, गैंडा, बाघ, शेर, तेंदुआ, भेड़िया, लकड़बग्घा और जंगली सुअर के हमले से जान जाने पर पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है। इन सभी जानवरों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की श्रेणी-1 में रखा गया है। वहीं, श्रेणी-2 में लोमड़ी और सियार को रखा गया है।

डंपर और कार की आमने सामने भिड़ंत में तीन की मौत, कोखराज हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा

कौशाम्बी। कौशाम्बी में

बड़ा हादसा हो गया। कोखराज हाईवे पर डंपर और कार की आमने-सामने भिड़ंत में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढ़ा गांव के सामने हंडिया-कोखराज हाईवे पर बृहस्पतिवार को दोपहर बाद हुआ। कौशाम्बी में बड़ा हादसा हो गया। कोखराज हाईवे पर डंपर और कार की

पर पुलिस पहुंच गई। क्रेन और कटर के माध्यम से वाहनों को अलग कर केबिन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस घायलों से बातचीत कर मृतकों की शिनाख्त करने में जुटी है। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया है। घटना के चलते मौके पर अफरा-तफरी मची हुई है।

रानी लक्ष्मीबाई के दुर्लभ दस्तावेज प्रयागराज में:बलिदान दिवस पर अभिलेखागार में प्रदर्शनी

प्रयागराज। क्षेत्रीय

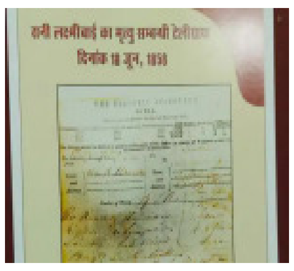

अभिलेखागार में रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विशेष दस्तावेज प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु से जुड़ा ब्रिटिश टेलीग्राफ प्रमुखता से रखा गया है। झांसी संग्राम का ऐतिहासिक मानचित्र प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण है। क्रांति का प्रतीक कमल पुष्प, रानी की मूल राजमुद्रा और उनका हस्तलिखित पत्र भी प्रदर्शित किया गया है। अभिलेखागार में उन क्रांतिकारियों की सूचियां मौजूद हैं जिन्हें रानी के साथ संग्राम में भाग लेने पर सजाएं दी गईं। ब्रिटिश हुकूमत द्वारा झांसी की संपत्तियों की जब्ती और नीलामी का आदेश भी प्रदर्शित है। इसमें महारानी की व्यक्तिगत वस्तुएं भी शामिल थीं। नाना साहेब और तात्या टोपे से जुड़े दस्तावेज भी रखे गए हैं। नाना साहेब

की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये के इनाम की अधिसूचना विशेष आकर्षण का केंद्र है। अभिलेखागार हर वर्ष यह प्रदर्शनी आयोजित करता है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ना है। दर्शकों का कहना है कि ये दस्तावेज आजादी की कीमत समझने में मदद करते हैं। यह आयोजन भावी पीढ़ियों के लिए रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान की याद को संजोए रखने का प्रयास है।

डीएम ने फ्रीज़ किया ग्राम प्रधान का खाता,उरूवा परानीपुर गांव का मामला,बजट निकाला पर नहीं बनी सड़क

प्रयागराज। विकास कार्यों में

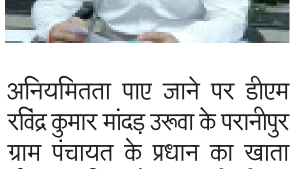

अनियमितता पाए जाने पर डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ उरूवा के परानीपुर ग्राम पंचायत के प्रधान का खाता सीज कर दिया है।यह कार्रवाई गांव के राजू पासी की शिकायत पर की गई है। शिकायत पर डीएम ने डीएसटीओ संतोष कुमार को मामले का जांच अधिकारी नामित किया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की गई। दरअसल, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि परानीपुर गांव के विभिन्न बस्तियों में जो भी विकास कार्य करवाए गए हैं उनमें गुणवत्ता का अभाव है। धंनजय तिवारी के घर से लेकर आशीष मिश्र के घर तक खंड़जा मार्ग के लिए 2.32 लाख हजार रुपए की राशि निकाली गई, लेकिन विकास कार्य नहीं हुआ है। वित्तीय अनियमितता पाई गई। पीडब्ल्यूडी मार्ग से बैद्यनाथ गुप्ता के घर तक खंड़जा मार्ग के लिए 2.24 लाख रुपए की राशि 30 मार्च को 2019 को निकाली गई। निर्माण अधूरा ही हुआ है। वहीं दो अन्य विकास कार्यों मे कुल 3. 31 लाख रुपए की राशि का दुरुपयोग पाया गया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जांच जिला अर्थ व सांख्याधिकारी से कराई तो कई विकास कार्यों में अनियमितता मिली।नोडल अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंपी तो उन्होंने ग्राम प्रधान परानीपुर व तत्कालिन सचिव अजय कुमार श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस भेज जबाब मांग लिया है। ग्राम प्रधान और सचिव ने जो नोटिस का जवाब दिया है, वह सही नहीं लगा।

वसूली कर्मचारी ने रची लूट की झूठी कहानी,तीन आरोपी गिरफ्तार,1.23 लाख रुपए बरामद

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट

प्रयागराज के थरवई थाना क्षेत्र में कथित लूट की घटना की जांच के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में पता चला कि यह लूट की घटना पूरी तरह से फर्जी थी, जिसे खुद वसूली करने वाले कर्मचारी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर गबन की गई रु1,23,952 की रकम भी बरामद कर ली है। दिनांक 16 जून 2025 को करीब तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नाहरपुर तिल्हापुर मोड़ के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने स्कूटी सवार दो व्यक्तियों के साथ मारपीट और गाली-गलौज कर उनके पास से वसूली के रु1,33,952 की रकम लूट ली। पीड़ित के रूप में सामने आए दिवाकर गुप्ता, निवासी कलन्दरपुर थाना सोरांव और ओमप्रकाश यादव, निवासी अहवीपुर थाना सोरांव ने पुलिस को बयान दिया।थाना प्रभारी व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर की टीम ने जब घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की, तो कई बातें संदिग्ध पाईं। जांच में सामने आया कि दिवाकर गुप्ता दाल व्यापारी अमर केसरीवानी के यहां पैसा वसूलने का काम करता था और घटना वाले दिन उसने अपने साथी ओमप्रकाश यादव के साथ कुल रु1,33,952 की वसूली की थी।

आयुष्मान कार्ड घोटाला:एसटीएफ की कार्यवाई प्रयागराज से दो आरोपी गिरफ्तार, 84 फर्जी कार्ड जब्त,12 से 15 हजार में बनाते थे एक कार्ड

प्रयागराज। स्थ्य सुरक्षा योजना को बुरी तरह लूटने वाला

एक सनसनीखेज घोटाला सामने आया है। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने प्रयागराज के नवाबगंज से एक ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए सैकड़ों अपात्र लोगों के नाम पर आयुष्मान कार्ड बनवाकर सरकार की योजना को चूना लगा रहा था। इस कांड के मास्टरमाइंड अमित पांडेय समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। 17 जून की रात 7:45 बजे एसटीएफ ने नवाबगंज बाइपास के नीचे दबिश देकर अमित पांडेय (28 वर्ष) और उसके सहयोगी बृजभुवन पटेल (48 वर्ष) को रंगे हाथों पकड़ा। दोनों के कब्जे से 84 फर्जी आयुष्मान कार्ड, 112 वर्क डेटा, 284 वॉट्सऐप चैटिंग के स्क्रीनशॉट, आधार कार्ड, एटीएम, नकदी और मोबाइल फोन बरामद हुए।गिरफ्तार अमित पांडेय ने सनसनीखेज खुलासा किया कि उसने पहले सीएससी सेंटर की वैध आईडी से आयुष्मान कार्ड बनाए, लेकिन आईडी बंद होने के बाद वह बिहार के एक शातिर जालसाज सुनित मंडल के संपर्क में आ गया। सुनित, फर्जी आधार और फैमिली आईडी से अपात्र लोगों को किसी और परिवार में जोड़कर कार्ड बनवा देता था। बदले में वह रु3500-रु5000 प्रति कार्ड चार्ज करता था। अमित ऐसे कार्ड जरूरतमंदों से रु12000-रु15000 में बनवाता और बिचौलियों को कमीशन देता। अब तक इस गिरोह ने करीब 200 फर्जी कार्ड बनवाकर लाखों रुपए की अवैध कमाई कर ली है।

मनोहर दास नेत्र अस्पताल की सेवाएं फेल,प्रमुख सचिव के निरीक्षण के बाद भी सुधार नहीं, सीएमएस का खुद प्राइवेट प्रैक्टिस पर जोर

प्रयागराज। यह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय है। 7 दिन पहले ही यहां प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य निरीक्षण करने पहुंचे थे। यहां तमाम अव्यवस्थाओं को देखकर उन्होंने जिम्मेदारों को फटकार भी लगाई थी। तत्काल सुधार के आदेश भी दिए थे। लेकिन अभी भी स्थितियां वैसे ही बेपटरी है। ज्यादातर डॉक्टर समय से ओपीडी में नहीं आते। मरीज यदि इलाज के लिए यहां आता है तो पूरा दिन उसका यहां लग जाता है।इस अस्पताल के सीएमएस डॉ. बसंत कुमार सिंह हैं जो कई सालों से यहीं पर तैनात हैं। यह यहां के बजाय अपने प्राइवेट हास्पिटल पर ज्यादा फोकस करते हैं। यह बड़े पैमाने पर प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं, सिविल लाइंस स्थित जीवन निधि हास्पिटल के साथ आजमगढ़ जनपद तक प्राइवेट प्रैक्टिस के लिए जाते हैं।अब ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस अस्पताल का मुखिया ही प्राइवेट प्रैक्टिस पर ज्यादा फोकस

करता हो उस अस्पताल की व्यवस्था किस तरह की होगी? यही स्थिति यहां विभागाध्यक्ष डॉ संतोष सिंह की है। वह भी खुलेआम प्राइवेट प्रैक्टिस करने के लिए जाते हैं। यहां ओपीडी की व्यवस्था पूरी तरह से जूनियरों के भरोसे चलती दिखती हैं. यही स्थिति नेत्र परीक्षण समेत अन्य ओपीडी में भी दिखी। यहां घड़ी में दोपहर के एक बजते ही पंजीकरण काउंटर का काम बंद कर दिया जाता है। स्टाफ काउंटर छोड़ देते हैं। यहां खड़ा गार्ड आने वाले मरीजों को यह बताता रहा कि पर्चा अब आज नहीं बन पाएगा। जबकि अस्पताल में ओपीडी टाइमिंग सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। लेकिन इस आदेश को यहां का स्टाफ नहीं मानता है। यही हाल पंजीकरण काउंटर के बगल में स्थित आयुष्मान भारत के काउंटर की है। यहां कोई भी अमूमन स्टाफ मौजूद नहीं रहता। यहां अस्पताल में एक मरीज सुबह 9 बजे पहुंच गए थे। बताते हैं, सुबह 9 बजे मैं हास्पिटल पहुंच गया था। पिछले सप्ताह मैं आंख की जांच कराने आया था और अब बुधवार को चश्मे का नंबर लेने के लिए पहुंचा। सुबह ही पर्चा बनवाकर जमा कर दिया लेकिन दोपहर एक बजे तक चश्मे का नंबर तक नहीं मिल सका। पूछने पर सिर्फ यही बताया जाता है, कि बस नंबर आने वाला है। कई मरीज व्यवस्था न होने पे जूनियर डॉक्टर को दिखाना पड़ता हैं। पिछले सात दिन पहले जब प्रमुख सचिव इस अस्पताल में पहुंचे तो डाक्टरों की संख्या ज्यादा देख वह भी आश्चर्यचकित हो गए थे। उन्होंने अपर निदेशक डॉ. राकेश शर्मा को निर्देशित किया था कि 15 पीएमएस के डॉक्टरों को यहां से हटाकर मंडल में भेजा जाए।

11 वर्षों में विश्व में बनी भारत की नई पहचान,मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में बोले महापौर

प्रयागराज।मोदी सरकार के 11

साल विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण पर परिचर्चा का आयोजन किंग गार्डन कीडगंज में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी एवं मुख्य वक्ता भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता रहे।महापौर गणेश केसरवानी ने कहा, सेवा, सुशासन जनकल्याण के रूप में मोदी सरकार के 11 साल पूरे हुए हैं। संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा इन 11 वर्षों में भाजपा ने पूरी की है। देश के 140 करोड़ नागरिकों की खुशहाली और प्रगति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना रुके व बिना थके प्राथमिकता दी। ब्रह्मोस जैसी मिसाइल लखनऊ की धरती पर बन रही है। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया का सिरमौर बनाने का संकल्प लिया है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। देश की सुरक्षा को चुनौती देने वाली ताकतों को भारत ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद को उनकी कोख में मौत की नींद सुलाने का काम किया है। विदेश निर्यात एवं व्यापार के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। इस अवसर पूर्व उप महापौर मुरारी लाल अग्रवाल, राम जी केसरवानी, पूर्व जिला अध्यक्ष रणजीत सिंह, ज्ञानेश्वर शुक्ला, पार्षद किरन जायसवाल, पदुम जायसवाल, पार्षद सुनीता चोपड़ा ने मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। संचालन प्रमोद जायसवाल ने किया। यह रहे उपस्थित- इस अवसर वरुण केसरवानी, रवि राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, डॉ. शैलेश पांडेय, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, राजन शुक्ला, पार्षद रूद्र सेन जायसवाल, रितेश मिश्रा, मनोज मिश्रा, अजय अग्रहरि, संजय कुशवाहा, विजय पटेल आदि रहे।

नैनी जेल में अतीक के बेटे के पास मिले रुपए,डीआईजी ने छापेमारी में पकड़ा, डिप्टी जेलर और वॉर्डन सस्पेंड

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल

में मंगलवार देर शाम को डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव ने अचानक छापेमारी की। टीम ने हाई सिक्योरिटी सेल में बंद कैदी अली (माफिया अतीक अहमद का दूसरा बेटा) के पास से नकद रुपए और अन्य सामान बरामद किया है। जिसके बाद वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने कड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी जेलर और एक बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया।जांच में लापरवाही सामने आने पर डीआईजी वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने कड़ी कार्रवाई की। उन्होंने डिप्टी जेलर और एक बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कैदी अली को सुरक्षा कारणों से जेल की हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया था।छापेमारी के दौरान जेल में कैदी के पास से प्रतिबंधित सामान मिलने से जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। इस मामले में जेल अधिकारियों की मिलीभगत की जांच की जा रही है।उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक के आईएस -227 गैंग के खिलाफ ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें अतीक गैंग, करीबियों, रिश्तेदारों पर कार्रवाई हुई थी। इसमें 200 से ज्यादा नाते-रिश्तेदारी और करीबी जेल गए थे।

एक पद, दो अधिकारी, क्या करेंगे कर्मचारी, पुराने ने नहीं छोड़ा पद, नए ने किया ज्वाइन

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में पिछले दिनों शासन की

तरफ से जारी निर्देश के बाद निगम में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर बरेली नगर निगम में तैनात पीके मिश्रा का तबादला हो गया। इसके बाद बुधवार को उन्होंने नगर निगम पहुंचकर अपने पद पर ज्वाइन कर लिया, लेकिन पहले से इस पद पर तैनात पीके द्विवेदी भी अभी तक यहीं डटे हुए हैं। जबकि उनका तबादला बरेली नगर निगम में इसी पद पर हुआ है। ऐसे में कर्मचारियों में असमंजस है कि वह किसके आदेश का पालन करें। पहले से यहां पर इसी पद पर तैनात पीके द्विवेदी का, या फिर बरेली से आए पीके मिश्रा का। नगर निगम प्रयागराज में यह चर्चा इन दिनों आम हो गई है।शासन तरफ से पिछले 14 जून को बड़े स्तर पर नगर निगमों में तबादले किए गए थे। तबादला के लिए जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था, कि 14 जून को आदेश जारी होने के साथ ही जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है। वह कार्यमुक्त समझे जाएंगे और अपनी नवीन तैनाती पर ज्वाइन करके आख्या देंगे। उसके बाद भी प्रयागराज नगर निगम में अभी तक तैनात रहे पीके द्विवेदी यहीं पर डटे हुए हैं। ऐसे में निगम के कर्मचारियों में चर्चा है कि वह अपना तबादला रुकवाने के लिए शासन स्तर पर जुगाड़ में लगे हैं। यही कारण है कि नए मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा के ज्वाइन करने के बाद भी पीके द्विवेदी अपनी नई तैनाती पर नहीं पहुंचे हैं।नगर निगम प्रयागराज में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी रहे पीके द्विवेदी के कार्यकाल में पिछले दिनों ही गृहकर जमा करने में करीब एक करोड़ 44 लाख रुपए के घोटाले की बात सामने आयी थी।इसको लेकर लगातार पीके द्विवेदी की व्यवस्था पर सवाल उठते रहे। इस मामले में बढ़ते दबाव को देखते हुए उन्होंने जांच भी बैठा दी और दो आउटसोर्स कर्मियों को निकाल दिया।हालांकि मामला बड़ी ही आसानी से रफा दफा हो गया। ऐसे में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि नए मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा की तरफ से पूरे मामले की फिर से ऑडिट कराकर जांच करायी जा सकती है। जिसमें बड़े खुलासे हो सकते हैं।

प्रयागराज में सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर बवालःजमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में पथराव कई वकील घायल, शिवकुटी थाने पर हंगामा

प्रयागराज। शहर के सिटी

जोन अंतर्गत शिवकुटी थाना क्षेत्र में शनिवार को सरकारी जमीन को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव हुआ, जिसमें कई वकीलों को गंभीर चोटें आईं। हालात उस समय और तनावपूर्ण हो गए जब बड़ी संख्या में वकील शिवकुटी थाने पर पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार हंगामा किया।स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, विवादित जमीन शिवकुटी क्षेत्र में स्थित है जो राजस्व अभिलेखों में सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है। लेकिन लंबे समय से इस जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिशें चल रही थीं। शनिवार को एक पक्ष द्वारा जबरन निर्माण कार्य शुरू किया गया, तो दूसरा पक्ष वहां पहुंच गया और दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि पथराव और मारपीट शुरू हो गई।इस झड़प में कई लोग घायल हुए, जिनमें से अधिकतर वकील बताए जा रहे हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है। पथराव की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया, लेकिन तनाव बना रहा।घटना से आक्रोशित वकील बड़ी संख्या में शिवकुटी थाने पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उनका आरोप है कि राजस्व विभाग और प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की मिलीभगत से लगातार सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिशें हो रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।वकीलों ने मांग की है कि पथराव में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और सरकारी जमीन की सुरक्षा के लिए स्थायी कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई होती, तो यह स्थिति नहीं बनती।

सूदखोर से परेशान एयरफोर्स कर्मी ने दी जान, डेढ़ लाख के कर्ज पर 2 लाख ब्याज देने के बाद भी मांग रहा था 70 हजार

प्रयागराज। सूदखोर से परेशान एयरफोर्स के मल्टी

टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) हिमेंद्र सिंह ने फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी है। आरोप है कि उसे ब्याज पर लिए गए रुपए के लिए परेशान किया जा रहा था। पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानेदार के मुताबिक आरोपी की तलाश की जा रही है। एयर पोर्ट थाना क्षेत्र में हिमेंद्र (35) अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। वह एयर फोर्स मल्टी टास्किंग स्टाफ की नौकरी करता था। पिता रामआसरे का आरोप है कि कुछ माह पहले जमीन खरीदने के लिए हिमेंद्र ने गांव में रहने वाले तिलक राज सिंह से डेढ़ लाख रुपये उधार लिया था। हिमेंद्र दो लाख रुपये ब्याज दे चुका था, इसके बावजूद वह 70 हजार रुपये और मांग रहा था।सुबह तिलक घर पर आया और पैसा मांगने लगा। गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगा। बहू के बारे में भी अभद्र शब्द का प्रयोग किया। इससे हिमेंद्र ने खुद को अपमानित महसूस किया और फिर डेरी में जाकर फंदे पर लटक गया। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया, मृतक के शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरूंकर दी है है। केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज में दो दिन की राहत के बाद लौटी गर्मी,तेज धूप और उमस से जनजीवन प्रभावित, मौसम विभाग ने नहीं दी राहत की उम्मीद

प्रयागराज में दो दिन की हल्की

बारिश और बादलों की ओट के बाद प्रयागराज एक बार फिर भीषण गर्मी की चपेट में आ गया है। गुरुवार सुबह से ही आसमान पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप ने एक बार फिर लोगों को बेहाल कर दिया। चिलचिलाती धूप और उमस ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है।बीते दो दिनों में शहर में हुई बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से लोगों को कुछ हद तक राहत जरूर मिली थी, लेकिन जैसे ही सूरज ने करवट बदली, गर्मी ने फिर कहर बरपाना शुरू कर दिया। सुबह से ही धूप तीखी और तापमान बढ़ता हुआ नजर आया, जिससे आमजन घरों में कैद हो गए। सड़कों पर सन्नाटा सा पसरा दिखा और बाजारों में भीड़ पहले की तुलना में कम रही।शहरवासियों का कहना है कि मौसम की बेरुखी ने हालात और मुश्किल कर दिए हैं। दिन चढ़ते ही गर्म हवाएं और उमस लोगों को झुलसा रही हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और दिहाड़ी मजदूरों को हो रही है, जिन्हें रोजमर्रा के काम के लिए घर से बाहर निकलना ही पड़ता है।मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में राहत के संकेत नहीं दिए हैं। विभाग के अनुसार, फिलहाल मानसून की सक्रियता पूर्वांचल में नहीं दिखाई दे रही है और गर्मी से राहत मिलने की संभावना बेहद कम है। अगले कुछ दिनों तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे लू चलने की भी आशंका है।डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि वह दिन के समय विशेषकर दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और हल्के, सूती कपड़े पहनें ताकि गर्मी से शरीर को सुरक्षित रखा जा सके।फिलहाल प्रयागराज गर्मी की चपेट में है और लोग मानसून की प्रतीक्षा में आंखें गड़ाए बैठे हैं।

सीएमपी के सामने से चलेंगी लखनऊ, वाराणसी मार्ग की रोडवेज बसें, बनाया गया अस्थायी बस अड्डा

प्रयागराज। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर मार्ग की बसें सीएमपी डिग्री

कॉलेज के सामने से चलेंगी। सिविल लाइंस व प्रयाग डिपो तथा जीरो रोड बस अड्डे को अस्थाई तौर पर केपी इंटर कॉलेज के पास स्थित ट्रस्ट की जमीन पर शिफ्ट किया जाएगा। अफसरों के अनुसार सीएमपी के सामने से बसों का संचालन आठ से 10 दिनों में शुरू हो जाएगा।सिविल लाइंस एवं जीरो रोड बस अड्डों के भूखंड पर बहुमंजिला भवन, बसों के सचांलन के लिए प्लेटफार्म समेत अनेक निर्माण कराए जाएंगे। बहुमंजिला भवन में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, एटीएम आदि होंगे। इसलिए इन बस अड्डों के निर्माण तक सीएमपी के सामने केपी इंटर कॉलेज के बगल स्थित खाली जमीन पर अस्थाई बस अड्डा बनाए जाने का निर्णय लिया गया है।मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की। डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि अस्थाई बस अड्डे के लिए जिला प्रशासन एवं केपी ट्रस्ट के बीच समझौता हो गया है। केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने बताया कि अस्थाई बस अड्डे के लिए जमीन जिला प्रशासन को दी गई है। वहीं रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र सिंह ने बताया कि जीरो रोड बस अड्डे पर निर्माण कार्य शुरू होने में अभी दो महीने लगेंगे। वहीं सिविल लाइंस बस अड्डे का काम जल्द शुरू होना है। ऐसे में सिविल लाइंस व उसी परिसर में स्थित प्रयाग बस डिपो को नए स्थान पर शिफ्ट करने का काम शुरू कर दिया गया है। बाउंड्री गिराने के साथ जमीन समतलीकरण आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि टॉयलेट, यूरिनल आदि के निर्माण के बाद अस्थाई अड्डे से बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें आठ से 10 दिन लगेंगे। इसके बाद लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, जौनपुर आदि जिलों के लिए बसें केपी इंटर कॉलेज के बगल से मिलेंगी।

राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया गयाःआनंद भवन में कार्यकर्ताओं ने केक काटा, जरूरतमंदों को मिठाइयां बांटी

प्रयागराज। कांग्रेस के

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन गुरुवार को प्रयागराज में जोरशोर और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय नेता ऐतिहासिक आनंद भवन परिसर में एकत्र हुए और कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के जन्मदिवस पर केक काटकर एक-दूसरे को केक और मिठाइयाँ खिलाईं। कार्यक्रम में राहुल गांधी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलने की आशा व्यक्त की गई। आयोजन में शामिल कांग्रेसजनों ने 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाए और उन्हें जनहित में संघर्षशील नेता बताते हुए युवाओं, किसानों, व्यापारियों और मजदूरों की आवाज़ बनने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं पर भी चर्चा की गई और राहुल गांधी के द्वारा इन मुद्दों पर लगातार उठाई जा रही आवाज़ की सराहना की गई। इस मौके पर पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमान ने कहा, 'हम राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं। वे जिस जुझारू अंदाज में किसानों, बेरोजगार युवाओं और आम जनमानस की समस्याओं को उठाते हैं, वह सराहनीय है। हम आशा करते हैं कि वह इसी तरह संघर्ष करते रहें और देश को एक मजबूत नेतृत्व दें।' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ नेता, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवा दल के पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजन शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यकर्ताओं ने इस मौके पर जरूरतमंदों को मिठाइयाँ भी बांटीं और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया।

कैंट में नाले में मिला युवती का शवःएक दिन पहले घर से भाभी से मिलने निकली थी युवती

प्रयागराज। कैंट इलाके के

नेवादा एरिया में रहने वाली युवती सोमन भारतीया का शव नाले नाले में मिला। शव मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। युवती के शरीर पर चोट के हल्के निशान भी मिले हैं। हालांकि परिवार की तरफ से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। कैंट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुधवार को धर्मेंद्र के घर के पीछे स्थित नाले की तरफ कूड़ा फेंकने गए तो एक युवती का शव नाले में देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर सोनम के घर वाले भी मौके पर पहुंच गए। सोनम के भाई ने बताया कि उसकी बहन पड़ोस में रहने वाली भाभी के साथ रेलवे में प्राइवेट सफाई कर्मी के रूप में कार्य करती थी। रात को वह परिवार के साथ उसे खोजते रहे,लेकिन उसके बारे में कुछ भी पता नहीं चला। इंस्पेक्टर कैंट का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

सात वर्ष की सेवा अवधि पूरी करने पर 281 दरोगाओं का तबादला, नया तैनाती आदेश जारी

प्रयागराज। जिले में सात वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके 281

उप निरीक्षकों (दरोगाओं) का तबादला कर दिया गया है। स्थानांतरण सूची पुलिस मुख्यालय से जारी की गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि संबंधित दरोगाओं को 10 दिन के भीतर कार्यमुक्त कर दिया जाए। इन 281 में से 138 दरोगा ऐसे हैं, जिनका तबादला पिछले वर्ष ही कर दिया गया था। हालांकि, उन्हें समय पर कार्यमुक्त नहीं किया गया। विभागीय लापरवाही या प्रशासनिक कारणों से उनके तबादला आदेश पर अमल नहीं हो सका है।अब पुलिस मुख्यालय ने उनके पिछले तबादला आदेश को निरस्त करते हुए नए सिरे से उनके तैनाती आदेश जारी कर दिए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, तबादला नीति के तहत जनपद में सात साल से अधिक समय से तैनात दरोगाओं का तबादला किया जाता है। पुलिस मुख्यालय में तैनात डीआईजी कार्मिक की ओर से अपर पुलिस अधीक्षक स्थापना राहुल मिश्रा ने यह तबादला आदेश जारी किया है।जिन दरोगाओं का तबादला किया गया है, उनमें से कई थाना या चौकी प्रभारी के पद पर भी तैनात हैं। इनमें उतरांव, पूरामुफ्ती, लालापुर, सरायममरेज आदि थानों व अन्य कई चौकियों के प्रभारी शामिल हैं। विभिन्न कारणों से इन्हें पूर्व में स्थानांतरित होने के बाद भी कार्यमुक्त नहीं किया जा सका।दरोगाओं के तबादला आदेश के बाद अब यह भी माना जा रहा है कि जनपदीय पुलिस में बड़े पैमाने पर जल्द बड़ा बदलाव हो सकता है।

ससुर ने चुपके से भगा ली बेटे की दुल्हनिया, 8 दिन बाद बहू संग शादी करके ही लौटा तो..

रामपुर। प्यार कब कैसे और किससे हो जाए, कुछ पता नहीं चलता. आए दिन कई अजीबो-गरीब लव स्टोरियां देखने और सुनने को मिलती रहती हैं. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का सास-दामाद केस किसे याद नहीं. यहां दूल्हे का अपनी ही होने वाली सास संग चक्कर चला. फिर दोनों भाग गए. इस लव स्टोरी जैसी ही गजब की प्रेम कहानी रामपुर में भी देखने को मिली. यहां अधेड़ उम्र के शख्स ने बेटे का रिश्ता जिस लड़की से तय करवाया, उसे खुद भी दिल दे बैठा. बहू को भी होने वाले ससुर से प्यार हो गया. दोनों समाज की परवाह किए बिना भाग गए. फिर निकाह करके वापस लौटे.यह अनोखी शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है. लोग इस जोड़े को लेकर तरह-तरह की बातें भी कर रहे हैं. लेकिन पति-

पत्नी बने इस नवविहाहित दंपति को किसी की परवाह नहीं. आलम तो ये भी हो गया कि जैसे ही ससुर अपनी बहू को ब्याह कर लाया तो घर में जमकर लात-घूंसे चले, फिर पंचायत बैठी. बाद में दोनों को घर से बाहर निकाल दिया.मामला थाना भोट क्षेत्र के एक गांव का है. यहां रहने वाले 55 वर्षीय ग्रामीण ने एक साल पहले अपने बेटे का रिश्ता अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में किया था. एक महीने बाद ही शादी की तारीख भी तय हो चुकी थी. रिश्ते के बाद से ही पिता का बेटे की ससुराल में आना-जाना लगा रहता था. लेकिन यह किसी को पता नहीं थी कि पिता बेटे की ससुराल में क्या गुल खिला रहा है.आठ दिन पूर्व दूल्हे का पिता कार लेकर होने वाली बहू के मायके पहुंच गया. कहने लगा- आपकी बेटी बहुत कमजोर है. मैं इसे डॉक्टर को दिखा लाता हूं. शाम तक दोनों नहीं लौटे तो दुल्हन के ससुर को परिवार ने फोन किया. ससुर बोला- बहू को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है. दो दिन तक वापस नहीं आने पर युवती के परिजनों ने फिर संपर्क साधा तो उसने टाल-मटोल कर दी.फिर आठ दिन बाद कुछ ऐसा हुआ जिससे हर कोई सन्न रह गया. ससुर अपने ही बेटे की मंगेतर से निकाह के बाद घर लौटा. दोनों को इस तरह साथ देख घर में खूब हंगामा हुआ. इस दौरान पिता और पुत्र के बीच जमकर हाथापाई हुई. जबकि नवविवाहिता की भी उसकी होने वाली सास संग लड़ाई हुई. देखते ही देखते पिता- पुत्र एक दूसरे की जान लेने पर अमादा हो गए.आस पड़ोस के लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया. शाम को फिर पंचायत बैठाई गई. इस दौरान पत्नी और बेटा नव विवाहित जोड़े को गांव से निकाल देने की जिद पर आ गया. बेटे और पत्नी के तेवर देख पिता अपनी दुल्हनिया को लेकर मौके से खिसक लिया. फिलहाल प्रेमी जोड़े ने अपना नया ठिकाना शहजादनगर थाना क्षेत्र के एक गांव को बना लिया है. बेटे की मंगेतर से पिता की शादी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुई है. उधर युवती के परिजनों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने पूरे मामले में खामोशी बना ली है.

डॉक्टर बन गया बंदर! केबिन में कुर्सी पर बैठा और दवाई किआ चेक

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का एक वीडियो सोशल

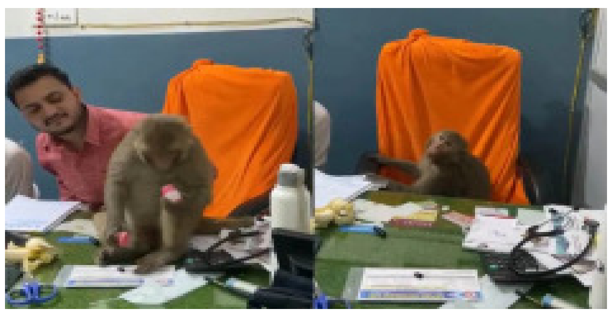

मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें एक हॉस्पिटल में एक डॉक्टर के केबिन में अचानक से बंदर आकर उनकी टेबल पर बैठ जाता है. शुरू में बंदर को देखकर डॉक्टर के केबिन में मौजूद लोग उससे डर जाते हैं. लेकिन फिर बंदर की हरकतों को देखकर सब हंसने लगते हैं. बंदर थोड़ी देर टेबल पर बैठकर सभी चीजों को देखता है और फिर वापस चला जाता है.उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से एक बंदर का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में एक बंदर हॉस्पिटल में आता है और डॉक्टर साहब की टेबल पर बैठकर सारे सामान को एक-एक कर चेक करता है. डॉक्टर साहब बंदर को केला देने की कोशिश करते हैं. लेकिन बंदर केले को नहीं लेता और फिर से टेबल पर रखी दवाई को खोल कर चेक करता है.इसके बाद वह डॉक्टर की चेयर पर रखे भगवा तौलिए को देखकर उसपर बैठ जाता है. डॉक्टर के केबिन में मौजूद मरीजों को ये बंदर कुछ नहीं कहता और कुछ देर बाद हॉस्पिटल में रहने के बाद वहां से चला जाता है. ये वायरल वीडियो सहारनपुर के गंगोह कस्बे के लखनौती रोड स्थित एक हॉस्पिटल का है, जहां एक बंदर डॉक्टर आशीष शर्मा के केबिन में आ गया था.डॉक्टर आशीष उस समय मरीजों को देख रहे थे. अचानक से आए इस बंदर को देखकर पहले तो सभी लोग डर गए. लेकिन जब बंदर आराम से टेबल पर बैठ गया और बारी बारी से सभी चीजों को चेक करने लगा तो डॉक्टर और मरीजों के दिल से डर दूर हुआ।

चाचा की डोल गई 5 साल की भतीजी पर गंदी नीयत, झाड़ियों में ले जाकर की हैवानियत, गांव वालों ने दी ये सजा

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक चाचा से अपनी पांच साल की मासूम

भतीजी को अपनी हवस का शिकार बनाया. उसको झाड़ियों में ले जाकर उसके साथ रेप किया. हालांकि पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है.यहां एक व्यक्ति ने पांच की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया. व्यक्ति बच्ची को झाड़ियों में ले गया और उसके साथ रेप किया. बच्ची के साथ रेप करने वाला व्यक्ति उसका सगा चाचा बताया जा रहा है. रेप के दौरान कुछ लोगों को शक हुआ तो उन्होंने व्यक्ति को पकड़ लिया.इसके बाद लोगों की नजर अर्धनग्न बच्ची पर पड़ी तब पुलिस को सूचना दी गई. लोगों ने व्यक्ति को पीटा भी जमकर. पुलिस पहुंची तो आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया. ये पूरी घटना उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के पल्लवपुरम फेज-दो की है. मामले में पीड़ित बच्ची के पिता ने पुलिस में तहरीर दी है. बच्ची के पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है.आरोपी का नाम जमशेद है. वो पल्लवपुरम फेज-दो का रहने वाला है. आरोपी नशे करने का आदी है. बताया जा रहा है बुधवार शाम को वो बच्ची के साथ घर के पास खाली झाड़ियों में घिनौनी हरकत को अंजाम दिया. इसी दौरान वहां से दो युवक गुजर रहे थे. उन्होंने बच्ची की आवाज सुनी तो आरोपी को पकड़ लिया. बच्ची अर्धनग्न अवस्था में थी.इसके बाद मौके पर हंगामा खड़ा हो गया. आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए. लोगों को पता चला कि बच्ची से रेप किया गया है, तो वो भड़क गए और आरोपी की जमकर पिटाई की. बच्ची के परिवार वालों ने पुलिस को बुलाया. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को लोगों की भीड़ से बचाया. फिर थाने ले गई. पुलिस ने बच्ची को मेडिलकल के लिए अस्पताल भिजवाया. दूसरी ओर आरोपी को अरेस्ट कर लिया.पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वो वो लगभग पांच-छह महीनों से लगातार बच्ची का शोषण कर रहा था. पुलिस से बच्ची के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रेप, पॉक्सो समेत कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है. पुलिस के आला अफसरों ने भी घटना का संज्ञान लिया है.

लखनऊ में रेमंड शोरूम मालिक-डॉक्टर की कोविड रिपोर्ट आई पॉजिटिव,राजधानी में कोरोना के 6 नए संक्रमित, राज्य में कुल 257 एक्टिव केस

लखनऊ। लखनऊ में कोरोना के 6 नए केस सामने आए है। बुधवार को आई कोविड रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में 2 बुजुर्ग समेत कुल 6 नए पॉजिटिव केस रिपोर्ट हुए है। इसी के साथ लखनऊ में इस सीजन में अब तक 44 केस सामने आ चुके है। वहीं, 24 घंटे में राज्य में 19 पॉजिटिव केस मिले है। इसी के साथ कोरोना संक्रमितों के एक्टिव केस की संख्या 257 तक पहुंच गई है।राजधानी के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल के 27 साल के डॉक्टर की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉक्टर को पिछले 3 दिन से जुकाम और बुखार के लक्षण थे। लक्षण दिखने पर जांच के लिए सैंपल

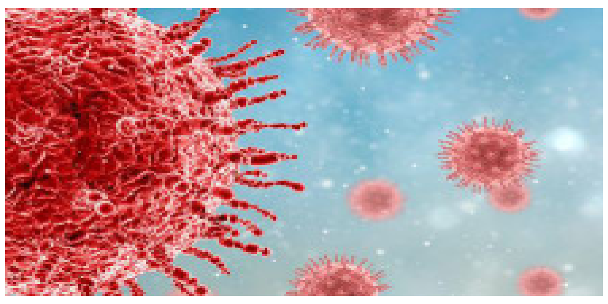

दिया। फिलहाल होम आइसोलेशन में ही इलाज चल रहा।हजरतगंज स्थिति रेमंड शोरूम के 75 साल के ओनर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बीते दिनों वो एक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। उन्हें 15 जून से जुकाम बुखार है। फिलहाल वो होम आइसोलेशन में है।आशियाना के 81 साल के बुर्जुग की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। बुजुर्ग की कोई ट्रेवल हिस्ट्री नहीं है। 15 दिन से बीमार होने के बाद जांच में टायफॉइड की पुष्टि हुई। साथ ही कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। फिलहाल होम आइसोलेशन में भी इलाज चल रहा।

रियल स्टेट कंपनी से वसूली करने वाले पत्रकार पर मुकदमा,धमकाकर 17 लाख रुपए ऐंठे,खुद को राजपूत करणी सेना का युवा जिलाध्यक्ष बताता

लखनऊ। मोहनलालगंज में रियल स्टेट के मालिक को धमकाकर 17 लाख की वसूली व दो प्लाट की रजिस्ट्री कराने वाले पत्रकार व उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें राजपूत करणी सेना का युवा जिलाध्यक्ष व उसकी पत्नी, बहन भी शामिल है। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच में जुट गई है। पीजीआई के वृंदावन योजना के सेक्टर-

6 निवासी पद्मजा सिंह ने बताया कि उनकी पद्मजा ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कम्पनी है। जिसकी वो उपनिदेशक हैं। उनकी कंपनी साइट बनाकर प्लाटिंग करने का काम करती है। 2022 में फेज-4 के नाम से मोहनलालगंज के रायभानखेड़ा में प्लाट बेचने के लिए साइट बनाई गई।इस दौरान गांव के ही अमर सिंह अपने 40-50 साथियों के साथ साइट पर आकर तोड़तोड़ और हगांमा करने लगे। अगले दिन अपने भाई राजन सिंह को कार्यालय भेजकर दस लाख रूपए की मांग करते हुए धमकाया। यहां प्लाट बेचना है तो पैसे देने पड़ेंगे वर्ना दोबारा लोगों को लाकर मारपीट कर काम नहीं करने देंगे। झूठी और भ्रामक खबरों को अखबार व सोशल मीडिया पर चलवाएंगे। साइट पर काफी निवेश किए जाने के चलते उनके पति कंपनी के निदेशक राजीव सिंह मांग को मानते हुए 25 दिसंबर 2022 को एक लाख रूपए व 30 जून 2023 को 50 हजार रूपए अमर सिंह को दिए। इसके बाद अन्य साइट की खबर चलाकर बदनाम करने की धमकी देने लगे। इसके बाद वसूली करने लगे। इस दौरान करीब 17लाख 4 हजार रूपए की वसूली की गई। अमर सिंह ने अपनी पत्नी व बहन के नाम दो प्लाट भी रजिस्ट्री कराई।पीड़िता ने बताया अमर सिंह ने 6 जून 2025 को अपने मोबाइल नंबर से पति से गोवा जाने के लिए पांच लोगों के खर्च की मांग की। उसकी बात न मानने पर 11 जून को वॉट्सऐप पर धमकी देते हुए मैसेज किया। पीड़िता ने बताया विपक्षी अमर सिंह खुद को पत्रकार व राजपूत करणी सेना का युवा जिलाध्यक्ष बताते हुए गैंग चलाता है। गैंग में शामिल लोग खुद को पत्रकार बताते हैं। सोशल मीडिया व अखबार में खबर चलवाकर बदनाम करने की धमकी देता है।

घर में मृत मिले मासूम भाई-बहन, गांव में मातम... मां बेसुध, पिता के लौटने का इंतजार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर

जनपद के भोपा थाना क्षेत्र के गांव रूड़कली में गुरुवार को एक घर से ऐसी खबर आई जिसने पूरे गांव को गम में डुबो दिया। चारपाई पर पांच साल का अरहान और एक साल की अनाया मृत अवस्था में मिले। ये दोनों सगे भाई-बहन थे। परिवार में उस वक्त केवल मां मुस्कान ही मौजूद थी। बच्चों के पिता वसीम दो दिन पहले ही चंडीगढ़ काम पर गए थे। वह वहां वेल्डिंग का कार्य करते हैं।बच्चों की अचानक हुई मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मां की हालत इतनी खराब है कि वह कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करना चाही, लेकिन परिजनों ने साफ इनकार कर दिया। उनका कहना है कि जब तक वसीम चंडीगढ़ से लौटकर नहीं आते, तब तक बच्चों के शव को नहीं ले जाने दिया जाएगा।गांव में मातम पसरा है। बच्चे अपने आप में बिलकुल सामान्य थे और बुधवार तक ठीक-ठाक थे। फिलहाल पुलिस हर पहलु से जांच कर रही है और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाने की तैयारी की जा रही है।

यूपी में आ गया मानसून... इन जिलों में झमाझम बरसेंगे मेघ; गरज-चमक संग वज्रपात का भी अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने दस्तक दे दी है। पूर्वी यूपी और बुंदेलखंड के 12 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही 55 जिलों में गरज चमक संग वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आगे पढ़ें और जानें हर अपडेट.उत्तर प्रदेश में बुधवार से दक्षिणी हिस्से से मानसूनी बारिश शुरू हो गई है। अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। यह धीरे-धीरे तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों तक बढ़ता दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शुक्रवार को बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी।मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए पूर्वी-दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं प्रदेश के 55 जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं भी चलने के आसार हैं। मानसून के दाखिल होने के साथ ही बृहस्पतिवार को यूपी के फिरोजाबाद में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं आगरा, मथुरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी हल्की से माध्यम बारिश देखने को मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के

वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 20 जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा। इन जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।इन जिलों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

यूपी पुलिस:पिता चलाते हैं पंचर बनाने की दुकान दो बेटियां बनीं सिपाही, घर में आईं खुशियां

बदायूं। बदायूं के कादरचौक में पंचर बनाने के पिता देव सिंह पंचर बनाने व साइकिल मरम्मत के तमाम लोग मौजूद रहे। सुजाता गौतम ने ब्लॉक में

की दुकान चलाने वाले देव सिंह की दो बेटियां उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही बन गई हैं। बीते 15 जून को दोनों को नियुक्त पत्र मिला तो परिवार में खुशियां छा गईं। इनका इकलौता बेटा है, जो दो साल पहले लापता हो गया था। दोनों बेटियों के सिपाही बनने पर घर में खुशी लौट आई हैं। ट्रेनिंग पर जाने से पहले दोनों बहनों का भव्य स्वागत किया गया। गांव के लोगों ने उनको शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित बहनें सुजाता गौतम और प्रगति गौतम की दुकान चलाते हैं। उन्होंने दिन-रात मेहनत कर अपने बच्चों को पढ़ाया। उनकी मेहनत के सुखद परिणाम आए। उनकी दोनों बेटियां अब सिपाही बन गई हैं। मंगलवार को दोनों बेटियों को ट्रेनिंग के लिए भेजते समय पिता के आंसू छलक आए।गांववालों ने कादरचौक ग्राम पंचायत का नाम रोशन करने वाली दोनों बहनों को सम्मान व धूमधाम से ट्रेनिंग के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर प्रधान दिनेश कुमार, एडीओ पंचायत शिवकुमार के अलावा गांव पंचायत सहायक के रूप में काम भी किया था। इन बहनों का इकलौता भाई अभिनव था, जो दो साल पहले लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। अब तक उसकी तलाश जारी है।पिता देव सिंह ने बताया कि उन्होंने झोपड़ी में रहकर दिन गुजारे, लेकिन बच्चों को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आज बहुत खुश हूं। बेटियों ने नाम रोशन किया है। एक बेटी और है। उसे भी खूब पढ़ाऊंगा, जिससे अपनी बहनों की तरह काबिल बन सकें।

यूपी में पांच जिंदा जलेः संभलने का भी न मिला मौका... दो-तीन मिनट में ही विकराल हुई आग; कुछ मिनट में थमीं चीखें

बुलंदशहर। तेज रफ्तार से अनियंत्रित कार में पुलिया से

टकराकर पलट जाने से आग लग गई, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। जहांगीराबाद क्षेत्र में बुधवार तड़के हुए हादसे में सिर्फ एक किशोरी जीवित बची है, जिसे स्थानीय लोगों ने कार से निकाल अस्पताल पहुंचाया। साहब... कार पुलिया से टकराकर जैसे ही नीचे गिरी, उसमें तत्काल आग लग गई थी। मात्र दो से तीन मिनट के भीतर आग ने विकराल रूप ले लिया था। किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। कार के

अंदर से लोगों के चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं। कुछ ही मिनटों में लोगों की चीखें थम गईं। शव पूरी तरह से जल चुके थे। मासूम जैनुल अपनी मां से लिपटा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शी चंद्रपाल व अन्य ने अधिकारियों और परिजनों से हादसे का मंजर कुछ इस तरह बयां किया।हादसे में एकमात्र जीवित बची गुलनाज बदहवास हालत में है। जिला अस्पताल में भर्ती गुलनाज ने बताया कि कार में सभी लोग सो रहे थे। भाई तंजील कार को चला रहे थे और आगे दूसरी सीट पर उनके जीजा जुबैर बैठे हुए थे।पीछे वाली सीट पर वह अपनी बहन मोमिना, भाभी निदा और भांजे जैनुल के साथ बैठी थीं। जैनुल भाभी की गोद में सो रहा था। आगे बैठे जुबैर को भी झपकी आ रही थी। जैसे ही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिरी तो नींद खुल गई। जब तक कुछ समझ पातीं, तब तक कार में आग लग चुकी थी। सभी की चीखें निकल गई थीं। तभी कुछ लोगों ने साइड वाली खिड़की खोल कर उन्हें बाहर निकाल लिया। इसके बाद वह

कार जलते देख बेहोश हो गई थीं।गुलनाज को परिजनों ने यह नहीं बताया है कि कार में सवार सभी लोगों की मौत हो चुकी है। दमकल की गाड़ी भी जल्द पहुंच गई थी लेकिन जब तक वह आग बुझा पाते, तब तक कार में लोगों की सांसें थम चुकी थीं।दमकलकर्मियों ने जब शव बाहर निकाले तो वह बुरी तरह झुलसे हुए थे, उनकी पहचान कर पाना भी मुश्किल हो रहा था। परिजनों के पहुंचने के बाद शिनाख्त कराई गई।बुलंदशहर में तेज रफ्तार से अनियंत्रित कार में पुलिया से टकराकर पलट जाने से आग लग गई, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। जहांगीराबाद क्षेत्र में बुधवार तड़के हुए हादसे में सिर्फ एक किशोरी जीवित बची है, जिसे स्थानीय लोगों ने कार से निकाल अस्पताल पहुंचाया।कार सवार छह लोग बदायूं के सहसवान से दिल्ली जा रहे थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि चालक को झपकी आने से हादसा हुआ। बदायूं के चमरपुरा गांव निवासी तनवीर अहमद सपरिवार दिल्ली के मालवीय नगर में रहते हैं।16 जून को चचेरे भाई का निकाह था। इसमें शामिल होने तनवीर के बेटे तंजील अहमद (26), पुत्रवधू निदा (21), पुत्री मोमिना (24), दामाद जुबैर (27), दोहिता जैनुल (2) व पुत्री गुलनाज (16) चमरपुरा आए थे। निकाह के बाद बुधवार सुबह सभी कार से दिल्ली लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज रफ्तार में थी। 5:30 बजे के करीब चांदौक चौराहे के पास कार पुलिया से टकराई और पलट गई। उसमें आग लग गई।पुलिस ने बताया, परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव ले गए। घायल गुलनाज को भी साथ ले गए। उसके माथे का कुछ हिस्सा झुलस गया। बाएं पैर

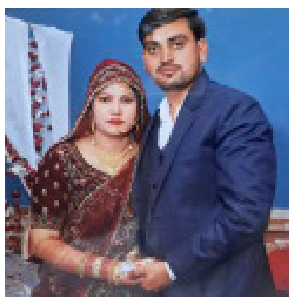

में फ्रैक्चर है।फरवरी में सिकंदराबाद-बुलंदशहर स्थित नेशनल हाईवे पर बाइक सवार दो युवकों को एक ट्रक ने करीब 100 मीटर तक घसीटा। इसके बाद बाइक में आग लगने से एक युवक जिंदा जल गया। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था।श्रद्धालुओं से भरी वैन की ट्रक से टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई थी। हादसे में नौ श्रद्धालु झुलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी। ककोड़ थाना क्षेत्र में करीब डेढ़ वर्ष पूर्व स्कूली वैन में आग लग गई थी। बच्चों व चालक ने गांव में भागकर जान बचाई थी। गनीमत रही थी कि हादसा गांव की एक गली के अंदर हुआ था, जिससे आग पर फौरन काबू पा लिया गया था।16 मई को जहांगीराबाद के गांव रौंडा के समीप अनूपशहर-बुलंदशहर मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक से कैंटर की टक्कर हो गई थी। हादसे में पंजाब से लौट रहे शाहजहांपुर और हरदोई के पांच मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि 31 लोग घायल हुए थे।

दस दिनों से लापता युवती का नही लगा सुराग

सोनभद्र। शक्तिनगर-। थाना

क्षेत्र से बीते 9जून से लापता युवती का दस दिन बीतने के बावजूद कोई सुराग नही लगा हैं। ग्राम प्रधान हीरालाल ने बताया कि ज्वालामुखी मंदिर के पीछे प्रेम नगर बस्ती निवासी 25 वर्षीय प्रीति वर्मा पुत्री राम प्रवेश वर्मा बीते 9 जून को सुबह लगभग 11:00 घर से बिना बताए कहीं चली गई। आसपास के साथ नात रिश्तेदारों के यहां भी पता लगाया गया। लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। घर वालों का लापता पुत्री को लेकर चिंतित हैं।वही इस मामले में सीओ पिपरी अमित कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही जिले के सभी थाना चौकी को सूचित कर दिया गया है और अन्य जनपदों में भी खोज बिन किया जा रहा है।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर युवा कांग्रेस ने किया रक्तदान

रक्तदान शिविर का आयोजन जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ

सोनभद्र। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 55वें जन्मदिवस के अवसर पर सोनभद्र युवा कांग्रेस ने गुरुवार को एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन जिला ब्लड बैंक में किया। यह आयोजन युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा के नेतृत्व में समस्त युवा कार्यकर्ताओं के साथ अपने हृदयप्रिय नेता के दीर्घायु होने की कामना की।इस अवसर पर शशांक मिश्रा ने कहा, 'राहुल गांधी ने हमेशा देश के युवाओं को सेवा, समानता और न्याय के लिए प्रेरित किया है। उनके जन्मदिवस पर हम युवा कांग्रेस कार्यकर्ता समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सेवा का संदेश देना चाहते हैं। रक्तदान एक छोटा प्रयास है, किन्तु साथ ही यह किसी भी जरूरतमंद के लिए जीवनदायी कदम साबित होगा। गौरतलब है कि आज भारतीय युवा कांग्रेस ने दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में रोजगार मेले का आयोजन किया जिसमें देश की प्रमुख 161 कंपनियों में हजारों युवाओं को विभिन्न योग्यताओं के अनुसार रोजगार दिया गया।शिविर में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कुल दर्जन भर से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे जिला अस्पताल के ब्लड बैंक को सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और स्वास्थ्य किट भी प्रदान की गई।इस सेवा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश मिश्रा ने कहा कि बीजेपी हर साल दो करोड़ रोजगार देने के वादे के साथ केंद्र की सत्ता में आई थी, लेकिन सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अब बीते चालीस-पचास सालों में देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है. राहुल गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा संसद के अंदर और बाहर जोर शोर से उठाया है।इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जितेंद्र पाण्डेय नि0 प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा, नि0 ब्लॉक अध्यक्ष सुनील मिश्रा, युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजू पाण्डेय, अरविंद श्रीवास्तव, महासचिव रोहिल मिश्रा, मृदुल मिश्रा, अर्जुन, क्षितिज सिंह, सतीश, संदीप शुक्ला, ऋषभ, प्रांजल श्रीवास्तव, रोहित सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन 'राष्ट्र प्रथम' के नारे और राहुल गांधी के दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना के साथ हुआ। सोनभद्र युवा कांग्रेस ने ब्लड बैंक के कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यों को भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया।

गरीब, मजबूर, असहाय, आम- जनमानस की आवाज है राहुल गांधी - आशु

वृद्धा आश्रम में फल वितरित कर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

सोनभद्र। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व- राष्ट्रीय अध्यक्ष/सांसद राहुल गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस,एन.एस.यू.आई. ने घोरावल विधानसभा के राबट्‌र्सगंज ब्लॉक के छपका में स्थित बृद्धा आश्रम में रह- रहे वृद्धो के बीच में जाकर उनके साथ राहुल गांधी का जन्मदिन फल वितरित कर मनाया। फल वितरण करने में मुख्य रूप से उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि आज देश के अंदर व्यापारी,किसान ,दलित, आदिवासी के बारे में सोचने वाला एवं उनकी लड़ाई लड़ने वाला अगर कोई है तो केवल एक नाम है राहुल गांधी ,जो लगातार आम-जनमानस की आवाज को सदन उठते रहते हैं,सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार देश की स्थिति को लेकर, असम-जनमानस के साथ हो रहे अन्याय को लेकर आवाज उठाते रहते हैं यह कहन कत्तई गलत नहीं होगा कि आगे आने वाले समय में वह भारत देश के प्रधानमंत्री भी होंगे ,इस अवसर पर यह कामना करते हैं कि वह देश के प्रधानमंत्री बनकर इस देश को और आगे की ओर ले जाए, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि देश का नौजवान वर्तमान परिवेश में अगर अपना भविष्य देख रहा है तो वह केवल कांग्रेस को देखकर राहुल गांधी को देखकर उम्मीद कर रहा है, क्योंकि पिछले 11 सालों में देश का नौजवान लाखो की संख्या में बेरोजगार हुआ है इस देश का भविष्य कहां जाएगा यह कहना कुछ संभव नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी जी की जन्मदिवस पर हम सभी छात्र चाहते हैं कि वह ऐसे ही हम सब की आवाज बनकर आगे की ओर बढ़ते रहें क्योंकि उनकी सोच सबको साथ लेकर चलने वाली है ।घोरावल विधानसभा के युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौबे ने कहा कि राहुल गांधी के जन्म दिवस पर हम सब यह प्रार्थना करते हैं की वह ऐसे ही सब की आवाज बने रहें और आगे चलकर देश को मजबूत करने में अपना योगदान दें ।मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ,युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति ,अनिल बियार, प्रमोद प्रजापति, महेश कुमार उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने बताया था नोटबंदी से देश को होगा नुकसानःऊषा चौबे

सोनभद्र। महिला कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे के नेतृत्व मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी का जन्मदिन बृहस्पति वार को महिला कॉग्रेस कार्यालय पर केक काट कर धूमधाम से मनाया गया त इस दौरान बच्चों को मिठाई बांटी गई त और उनके लंबी उम्र की कामना किया गया। इस दौरान महिला कॉग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे कहा की नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गाँधी मजदूरों,महिलाओं, युवाओं, किसानों की वंचित शोषित लोगो की सशक्त आवाज है। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिये कन्या कुमारी से कश्मीर तक 4500 किलो मीटर पैदल यात्रा कर जनता की समस्याओं को सुना है। राहुल गांधी ने महिलाओं को सशक्तीकरण के लिए कांग्रेस शासित राज्यो में महिलाओं को 2500 रुपये हर महीने महिलाओ को खाते में भेजा जाता है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी दूरदर्शी नेता है, उन्होंने पूर्व में बीजेपी सरकार को चेताया था कि नोटबंदी से देश को नुकसान होगा। राहुल गांधी किसानों की लड़ाई हो ,बेरोजगारी की लड़ाई हो या महिलाओं पर बढ़ते अपराध हो हर मुद्दे पर संघर्ष करते रहते है। बीजेपी सरकार में संविधान खतरे में है, राहुल गाँधी संविधान बचाने के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे, राहुल गांधी पर जिसे तरीके से बीजेपी सरकार द्वारा ईडी और सीबीआई के सहारे उनके ऊपर फर्जी मुकदमा दर्जकर उनकी आवाज को रोकना चाहती है, लेकिन राहुल गांधी डरने वाले नेता नही है जनता के हर मुद्दे पर सरकार का मुखरता और निडरता से विरोध करते है। देश के जन जन की आवाज बन चुके राहुल गांधी को देश की जनता उन्हें देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। जनता राहुल गाँधी की पसंद बन चुके है, जनता 2029 में प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। उक्त मौके पर सभासद मनोज चौबे, महादेव , शंकर भारती, शान्ति विश्कर्मा, तेतरी देवी, सीता भारती, सोमरी देबी, शान्ति देवी, पार्बती देवी, संगीता देवी, संजू देवी, लीलावती देवी, रमबन्ति देवी, राजकुमारी देवी ,उषा देवी ,विद्या देवी सहित तमाम महिलाएं उपस्थित रही।

परेशान करें कोई तो टोल फ्री नंबर करें शिकायत

सोनभद्र। यूपी सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/ एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

मीरजापुर से सोनभद्र तक लुंबिनी-दुद्धी मार्ग होगा चौड़ा, योगी सरकार ने दी मंजूरी; लोगों का मिलेगा फायदा

मीरजापुर। मीरजापुर और सोनभद्र को जोड़ने वाली लुबिंनी-दुद्धी मार्ग दस मीटर चौड़ा किया जाएगा। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। सड़क को चौड़ा करने के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से इसका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है, जिसपर मंजूरी मिल चुकी है। लंबिनी-दुद्धी मार्ग मीरजापुर से सोनभद्र को जाने वाला मार्ग है। सोनभद्र जनपद खनन व बिजली उत्पादन का क्षेत्र होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिन दस हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। मात्र दो लेन की सड़क होने के चलते इस मार्ग पर बड़े वाहनों को लेकर चलने में चालकों को परेशानी होती है। ऐसे में इस मार्ग को चौड़ी किया जाना अतिआवश्यक है। इसको देखते हुए लोक निर्माण विभाग की ओर से इसको चौड़ी करने के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया। लगभग 53 करोड़ रुपये की लागत से लुबिंनी-दुद्धी मार्ग को दस मीटर चौड़ी किया जाएगा। वर्तमान समय में यह सड़क सात मीटर चौड़ी है। दस मीटर यह और चौड़ी होने के बाद इसकी चौड़ाई कुल 17 मीटर हो जाएगी, जो फोरलेन के बराबर होगी। इसी मार्ग से सोनभद्र, चंदौली होते हुए लोग बिहार भी चले जाते है। इस मार्ग की लंबाई मीरजापुर से दुद्धी तक 170 किलोमीटर से अधिक है। यह रोड चौड़ी हो जाने से लोगों के आवागमन के लिए और बेहतर हो जाएगी। इसी रूट से लोग सिंगरौली व बिहार भी होकर जाते है।

सोनभद्र में मानसून की दस्तकःतापमान 33 डिग्री पर आया, किसानों ने धान-मक्का की बुवाई की तैयारी शुरू की

सोनभद्र। मानसून की आमद से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से मौसम सुहावना बना हुआ है। आसमान में सुबह से छाए बादलों के बीच रिमझिम बारिश का दौर जारी है। जिला मुख्यालय, रेणुकूट, शक्तिनगर, दुध्दी और बभनी सहित कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। जिला मुख्यालय में सुबह करीब एक घंटे तक हुई बारिश से सड़कों पर पानी जमा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, सोनभद्र का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। रविवार को जहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री था, वह सोमवार को घटकर 38.6 डिग्री हो गया। मंगलवार को हल्की बारिश के साथ तापमान में और गिरावट आई। जून माह की भीषण गर्मी से परेशान आमजन और किसानों को मानसून से राहत मिली है। किसान अब खेतों में बीज बोने की तैयारी में जुट गए हैं। उनका कहना है कि लगातार बारिश होने से धान, मक्का, मूंगफली और दलहन जैसी फसलों की बुवाई में सहूलियत होगी।

आगामी चुनाव को लेकर रालोद अध्यक्ष करेंगे जनपद दौरा

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोकदल के संगठन विस्तार एवं आगामी विधानसभा चुनाव के साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय राज्यमंत्री आदरणीय चौधरी जयंत सिंह पूर्वी उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, जिसमें 23 जून को वाराणसी तथा 24 जून को सोनभद्र में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर प्रेसवार्ता करेंगे। उक्त कार्यक्रम को लेकर चौधरी साहब के निर्देश पर युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पटेल 19 जून से 25 जून तक विभिन्न जनपदों का दौरा कर युवाओं के साथ बैठक कर रालोद अध्यक्ष के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु युवाओं को प्रेरित करेंगे। इस कार्यक्रम की जानकारी प्रदेश कार्यालय से प्राप्त होने पर युवा रालोद के प्रदेश सचिव अभय सिंह पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यक्रम 19 जून को मिर्जापुर, 20 जून को वाराणसी, 21 जून को सोनभद्र, 22 जून को चुनार मिर्जापुर, 23 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ वाराणसी, 24 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सोनभद्र में रहेगा।

सोनभद्र की दो खदानों से बढ़ेगा प्रदेश का खजाना, क्षेत्र के लोगों के लिए साबित होगा वरदान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का भूतत्व खनिकर्म निदेशालय के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में दो खदानों से प्रदेश सरकार को रिकॉर्ड 6 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा. जिससे प्रदेश के विकास में सहायक हो सकेगी. भूतत्व खनिकर्म विभाग की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है. भूतत्व खनिकर्म निदेशालय उत्तर प्रदेश की निदेशक एवं सचिव माला श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व के चलते प्रदेश के जनपद सोनभद्र में दो लौह अयस्क के ब्लॉक बी भरहरी और ब्लॉक सी शोभना चकरिया को माइनिंग लीज पर ऑक्शन किए जाने के लिए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एनआईटी लॉन्च की गई. जिसके तहत दोनों ब्लॉक की सफलता पूर्वक उच्च प्रीमियम की दर से 93.91 प्रतिशत और 125.51 प्रतिशत की दर से गैलेंट इस्पात गोरखपुर के पक्ष में आक्शन हुए हैं. सोनभद्र की दोनो खदानों से 6 हजार करोड़ का राजस्व राज्य सरकार को मिल सकेगा. इस खदान से सोनभद्र जिले में लोगों को अपार रोजगार के अवसर भी मिल सकेंगे.

सोनभद्र में खौफनाक वारदातः सोते समय अधेड़ पर चाकू से हमला, फिर गोली मारकर की हत्या; पुरानी रंजिश में हुई घटना

सोनभद्र। जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र के मरांची गांव में मंगलवार देर रात घर में सो रहे एक व्यक्ति की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के भी निशान मिले हैं। घटना को पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है।मरांची गांव निवासी अमरनाथ यादव (55) घर में सो रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12.30 बजे अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर उन्हें गोली मार दी। परिजनों का कहना है कि हमलावरों ने पहले धारदार हथियार से वार किया और फिर गोली मारकर उनकी जान ले ली। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी बाइक से फरार हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही शाहगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस वारदात में दो नामजद आरोपियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। गांव में तनावपूर्ण शांति का माहौल है और पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रभारी निरीक्षक शाहगंज जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार देवर की मौत, भाभी समेत दो लोग घायल

सोनभद्र। चोपन-भरहरी मार्ग पर सेमिया गांव के पास हादसा हुआ। घायलों को चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर दूसरे युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।चोपन-भरहरी मार्ग पर बृहस्पतिवार को सेमिया गांव के पास बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक की भाभी समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर दूसरे युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।सिंगरौली जिले के गढ़वा थाना क्षेत्र निवासी सोनू (28), अपनी भाभी पुष्पा का उपचार कराने चोपन आया था। उनके साथ गांव का ही बब्बू भी था। तीनों एक बाइक पर सवार थे। दवा लेने के बाद तीनों घर लौट रहे थे। सेमिया घोरिया गांव के पास सामने से आ रही बेकाबू ट्रक ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार तीनों घायल हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें चोपन सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने सोनू को मृत घोषित कर दिया। वहीं बब्बू को गंभीर हाल में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुष्पा की हालत सामान्य है। मौके पर पहुंची चोपन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करण शर्मा 17.50 और कार्तिक त्यागी 16.25 लाख में बिके,यूपी टी-20 लीग में 200 खिलाड़ियों का ऑक्शन

लखनऊ। यूपी टी- 20 लीग सीजन 2025 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सेंट्रम होटल में हुई । यूपी टी 20 क्रिकेट के चेयरमैन डीएस चौहान ने पीसी करते हुए कहा कि 200 से अधिक खिलाड़ियों की नीलामी हुई है। इसमें टीम के हेड कोच, कप्तान सहित टीम से जुड़े सदस्य मौजूद हैं। 1 करोड़ 25 लाख रुपए टीमों का पर्स था। टीमों ने अपने अनुसार खिलाड़ियों को रिटेन किया है। 20 अगस्त से 13 सितंबर के बीच में यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। हाई क्वालिटी कैमरे भी मौजूद रहेंगे। फ्रेंचाइजी की तरफ से जिलों में जाकर टैलेंट हंट किया जाता है। ऐसे खिलाड़ियों का मेहनताना इस बार 2 लाख रुपए किया गया है। टीमों के बढ़ाने पर बोले कि सर्वे के बाद यह निर्णय लिया गया है कि अभी एक दो सीजन टीमें नहीं बढ़ाई जाएंगी।रेलवे से खेलने वाले गेंदबाज करण शर्मा मिनी ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें नोएडा किंग्स टीम ने 17 लाख 50 हजार में खरीदा है। उनका बेस प्राइस रु5 लाख था। गाजियाबाद से खेलने वाले गेंदबाज कार्तिक त्यागी का बेस प्राइस रु5 लाख था। मेरठ मावेरिक्स की टीम ने 16 लाख 25 हजार में खरीदा है। यह मिनी ऑक्शन के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे।मुरादाबाद के रहने वाले बल्लेबाज और विकेटकीपर ओवैश अहमद को काशी रुद्राज ने 10 लाख 25 हजार में खरीदा है। इनका बेस प्राइस रु5 लाख था। यह पांचवें सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। सहारनपुर से खेलने वाले बल्लेबाज और विकेटकीपर शोएब सिद्दीकी को लखनऊ फाल्कन ने 10 लाख रुपए में टीम से जोड़ा है। इनका बेस प्राइस रु5 लाख था। यह 6 नंबर पर सबसे महंगे खिलाड़ी रहे।रायबरेली से खेलने वाले जसमीर धनकड़ बॉलर हैं। इन्हें नोएडा किंग्स ने 8,20,000 में खरीदा है। इनका बेस प्राइस रु5 लाख था। यह 7 नंबर पर सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। गाजियाबाद से खेलने वाले बल्लेबाज प्रिंस यादव का बेस प्राइस रु5 लाख था। उन्हें गोरखपुर लायंस ने 7 लाख रु20,000 में टीम से जोड़ा है। रेलवे से खेलने वाले बॉलर राहुल शर्मा का बेस्ट प्राइस रु4 लाख था। इन्हें कानपुर सुपरस्टार ने 7 लाख 20 हजार में टीम से जोड़ा है। यह दोनों खिलाड़ी संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। प्रयागराज से खेलने वाले बॉलर अटल बिहारी राय का बेस्ट प्राइस रु5 लाख था। इन्हें काशी रुद्राज ने रु7 लाख में खरीदा है। यह 9 नंबर के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। रेलवे से खेलने वाले बल्लेबाज शुभम चौबे का बेस्ट प्राइस रु5 लाख था। इन्हें काशी रुद्राज ने रु6 लाख में खरीदा है। यह 10 वें नंबर के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे।लखनऊ फालकंस फ्रेंचाइजी ने भुवनेश्वर कुमार को पिछली बार 30 लाख 25 हजार रुपए में खरीदा था। शिवम मावी को काशी रुद्राज ने 20 लाख 50 हजार में खरीदा। मोहसिन खान को कानपुर सुपर स्टार ने 19 लाख 50 हजार में खरीदा था। क्रिकेट के सभी प्रारूप से 5 जून को रिटायर हो चुके पीयूष चावला की बोली 7 लाख लगी थी, जो उनका बेस प्राइस भी है। उन्हें नोएडा किंग्स ने खरीदा था। ऑक्सन में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे। इस बार भी उनके मौजूद रहने की संभावना है।ऑक्शन में जिलेवार खिलाड़ियों की संख्या आगरा-6, अलीगढ़-3, प्रयागराज-9, आजमगढ़-3, बाराबंकी-2, फिरोजाबाद-2, गौतमबुद्ध नगर-8, गाजियाबाद-15, गाजीपुर-3, गोरखपुर-3, झांसी-6, कानपुर 24, लखनऊ-11, मथुरा-2, मेरठ-22, मुरादाबाद-4, मुज्जफरनगर-6, रामपुर-2, रायबरेली-3, सहारनपुर-14, शामली-4, वाराणसी-6, अमरोहा-1, कौशांबी-1, बुलंदशहर-1, अयोध्या-1, बिजनौर-1, अमरोहा-1, बागपत-1, चंदौली-1, मैनपुरी-1, हाथरस-1, जौनपुर-1, हरदोई-1, प्रतापगढ़-1, लखनऊ में मिनी ऑक्शन में खिलाड़ियों पर छह फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगी। जानकारी के अनुसार,इकाना स्टेडियम में 23 अगस्त से 3 सितंबर तक लीग के मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि बाद के मैच और फाइनल कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में होंगे। आधिकारिक घोषणा ऑक्शन के दौरान शाम करीब 4 बजे होगी। इसमें काशी रुद्राज टीम सबसे अधिक खिलाड़ियों की खरीदारी करेगी। इसके साथ ही मेरठ मावेरिक्स, गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपर स्टार, नोएडा किंग्स भी खिलाड़ियों की बोली लगाएंगी।यूपी क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी ने बताया कि इकाना स्टेडियम राष्ट्रीय स्तर के अधिकतर घरेलू मुकाबलों की मेजबानी करेगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (26 नवंबर से 8 दिसंबर), वीनू मांकड ट्रॉफी (9 से 17 अक्टूबर), अंडर-19 महिला टी-20 ट्रॉफी (26 अक्टूबर से 11 नवंबर) और महिला अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट (13 से 21 दिसंबर) के मुकाबले लखनऊ में होंगे। रणजी ट्रॉफी के कुछ मैच भी यहां खेले जा सकते हैं।

गैस छोड़ो डायबिटीज-बीपी की तगड़ी दवा है हींग, लाखों लोगों की छूटेगी गोली, बस खाने का तरीका सही रखें

नयी दिल्ली।हींग शरीर के लिए कई तरीके से फायदेमंद है। यह खाना पचाने के अलावा डायबिटीज, बीपी और कई सारी समस्याओं का समाधान कर सकता है। इसके साथ दवाओं का उपयोग कम हो सकता है। लेकिन इन फायदों के लिए आपको इसका सही इस्तेमाल पता होना चाहिए।भारत में मसालों का भंडार है, जो शरीर की कई बड़ी बीमारियों का अंत कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट हींग को जादुई मसाला मानते हैं, जो डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं में काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यह इतनी सारी दिक्कतों को खत्म कर सकता है कि लाखों लोगों की दवाई छूट सकती है। जो गैस, आईबीएस, डायबिटीज, बीपी के हल्के मरीज हैं और जिनको जीवनशैली में बदलाव करके मैनेज किया जा सकता है। इन खतरनाक समस्याओं को खत्म करने के लिए हींग खाने का सही तरीका पता होना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट ल्यूक कौटिन्हो ने कहा कि हमारी रसोई में यह जादुई मसाला रखा है। जिसे अक्सर गैस, पेट फूलने और खाना पचाने के लिए उपयोग करते हैं। लेकिन यह केवल एक फायदा है, इसके अलावा भी कई छिपे हुए फायदे हैं।कुछ लोगों को राजमा, चना, फली, दाल, गोभी खाने से गैस बनने लगती है। इसके साथ ब्लोटिंग और एसिडिटी भी हो सकती है। हींग में कार्मिनेटिव प्रोपर्टी होती हैं, जो खाने को तोड़कर पचाने में आसान बनाते हैं। इसके लिए हींग को 3 तरीके से उपयोग कर सकते हैं। खाना बनाने के दौरान एक चुटकी हींग डालें, दाल, राजमा, छोले, चना, फलियां भिगोते वक्त एक चुटकी हींग डाल दें या फिर खाना खाने के 30 मिनट बाद एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हींग मिलाकर पी लें?,?खाने में हींग डालने के कई सारे फायदे हैं। यह एंटी इंफ्लामेटरी, एंटी डायबिटीज, एंटी स्पासमोडिक, कार्मिनेटिव, फ्लेवर बढ़ाने वाला, एंटी वायरल, एंटी फंगल और एंटी हाइपरटेंसिव मसाला है। कई शोध में इसे पेट, फेफड़ों के लिए फायदेमंद देखा गया है।जब भी आप हींग का सेवन करते हैं इसके गुण शुगर और बीपी के खिलाफ लड़ने लगते हैं। यह खून पतला करने में मदद करता है। जिससे सर्कुलेशन सुधरता है और फिर ब्लड प्रेशर कम होने लगता है। कमजोर पाचन आईबीएस, गैस,अस्थमा,कोलिक पेन, ब्लोटिंग, मॉस्ट्रुअल क्रैम्प,सिरदर्द? सिरदर्द, माइग्रेन, मेंस्ट्रुअल क्रैम्प में एक चुटकी हींग और आधा चम्मच पीसे हुए मेथी दाना को एक गिलास गुनगुने पानी या छाछ में मिलाकर धीरे-धीरे पीएं। ब्लोटिंग-गैस के इलाज के लिए खाने के 30 मिनट बाद एक चुटकी हींग को एक गिलास गुनगुने पानी में डालकर पीएं। अस्थमा, निमोनिया, ब्रोंकाइटिस के लक्षण कम करने के लिए 1 चम्मच हींग को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे छाती के ऊपर मसलकर 2-3 घंटे के लिए छोड़ दें। बच्चों को कोलिक पेन होने पर 1 चम्मच हींग को पानी के साथ पेस्ट बान लें। फिर इसे बच्चों की नाभि के पास आराम से गोल-गोल आकार में मलें। डिस्क्लेमरः लेख में दिए गए नुस्खे की जानकारी व दावे पूरी तरह से इंस्टाग्राम पर प्रकाशित रील पर आधारित हैं। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। किसी भी तरह के नुस्खे को आजमाने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

एक गलती और उखड़ गया कंधा, डब्लूडब्लूई महिला पहलवान का करियर दांव पर, निक्की बेला से होनी थी 'जंग'

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई रॉ के एक मैच में लिव मॉर्गन को गंभीर चोट लग गई, जिससे फैंस काफी चिंतित हैं। एक मूव के दौरान लिव का कंधा खिसक गया, जिसके कारण मैच को तुरंत रोकना पड़ा। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह कुछ हफ्तों में होने वाले इवोल्यूशन पे-पर-व्यू तक ठीक हो पाएंगी, जहां उनका मुकाबला निक्की बेला से होने की अफवाह थी। उनकी जगह किसी अन्य रेसलर को लेने की चर्चा है और इस बदलाव से पूरे इवेंट पर असर पड़ सकता है।सोमवार रात रॉ में लिव मॉर्गन और कैरी सेन के बीच एक सिंगल्स मैच के दौरान एक गंभीर घटना घटी। एक सामान्य मैच अचानक चिंताजनक हो गया जब कैरी के एक मूव से लिव मॉर्गन का कंधा डिसलोकेट हो गया। रेसलिंग में हम इसे ही कंधा उखड़ना रहते हैं। रेफरी ने तुरंत मैच रोक दिया और डब्लूडब्लूई मेडिकल स्टाफ तुरंत रिंग में पहुंचे। दर्शकों को यह देखकर झटका लगा और कमेंट्री में पुष्टि की गई कि मॉर्गन आगे नहीं खेल पाएंगी। बाद में, सूत्रों ने बताया कि चोट पहली सोच से कहीं ज्यादा गंभीर है।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इवोल्यूशन पे-पर-व्यू नजदीक है। डब्लूडब्लूई, लिव मॉर्गन और निक्की बेला के बीच एक मैच की तैयारी कर रहा था, जिसे लेकर फैंस उत्साहित थे। अब लिव मॉर्गन के घायल होने के कारण डब्लूडब्लूई को अपनी योजनाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। कुछ विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, डब्लूडब्लूई इवेंट में लिव मॉर्गन की जगह किसी और को लाने की तैयारी कर रहा है यदि वह समय पर ठीक नहीं हो पाती हैं।खबर है कि राइजिंग स्टार रोक्सेन पेरेज को निक्की बेला के नए प्रतिद्वंद्वी के रूप में माना जा रहा है। मॉर्गन और पेरेज दोनों ही द जजमेंट डे फैक्शन के सदस्य हैं, जो डब्लूडब्लूई को बिना गति खोए कहानी को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा विकल्प देती है। डोमिनिक मिस्टीरियो, जो लिव मॉर्गन के मौजूदा एंगल में शामिल रहे हैं, उनके रोक्सेन के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

इंडिया बनाम इंग्लैंडःतेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का हुआ अनावरण, सीरीज जीतने वाले कप्तान को मिलेगा पटौदी मेडल

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के लिए खेली जाएगी। इससे पहले इस सीरीज को पटौदी ट्रॉफी के लिए खेला जाता था। गुरुवार को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के अनावरण की घोषणा की। बोर्ड ने बताया कि पटौदी की विरासत को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। इस सीरीज को जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी मेडल सौंपा जाएगा।भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज का नाम तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी रखा जाएगा।इससे पहले दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली यह सीरीज पदौटी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी के लिए खेला जाता था। इसका नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। मार्च में ईसीबी ने पटौदी परिवार को लिखा था कि वे ट्रॉफी को रिटायर करना चाहते हैं।

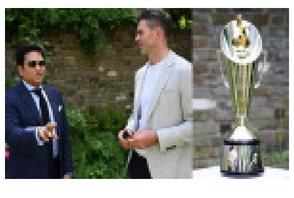

हालांकि, अब इसका नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी कर दिया गया है।इस मौके पर जेम्स एंडरसन ने कहा- मेरे और मेरे परिवार के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि इस प्रतिष्ठित सीरीज का नाम सचिन और मेरे नाम पर रखा गया है। हमारे दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा से ही कुछ खास रही है, जो इतिहास, तीव्रता और अविस्मरणीय क्षणों से भरपूर है। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने कहा- मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट जीवन का प्रतीक है। आप अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं और अगर चीजें गलत हो जाती हैं तो यह आपको फिर से संगठित होने, सोचने, भूलने और वापसी करने के लिए एक और दिन देता है। यह खेल का सर्वोच्च रूप है जो आपको सभी बाधाओं के बावजूद धीरज, अनुशासन और अनुकूलनशीलता सिखाता है। मैं अपनी नींव टेस्ट क्रिकेट से रखता हूं, क्योंकि इसने मुझे निराशाओं से जीत तक, आकांक्षाओं से पूर्णता तक बढ़ते देखा है।भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

क्या मौसम बन जाएगा भारत और इंग्लैंड मैच में दुश्मन विलेन? इस दिन आएगी बारिश

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले, लीड्स में शुरू हो रही है। दोनों टीमें नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में अच्छी शुरुआत करने वाली हैं। मौसम इस पहले मैच में अहम भूमिका निभा सकता है। पहले दिन मौसम अच्छा रहने की उम्मीद है, लेकिन दूसरे दिन बारिश हो सकती है। बारिश से सिर्फ दूसरे दिन का खेल प्रभावित हो सकता है। बाकी दिनों में खेल होने की पूरी संभावना है।भारत और इंग्लैंड के बीच पहले मुकाबले में मौसम एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। क्रिकेट फैंस यह जानकर खुश होंगे कि पहले दिन का मौसम अच्छा रहने वाला है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, 31 डिग्री सेल्सियस तापमान रहेगा और बारिश की संभावना सिर्फ 5प्रतिशत है। दिन साफ और सुहावना रहने की उम्मीद है, जो पूरे दिन के खेल के लिए आदर्श है।हालांकि, 21 जून, शनिवार को मौसम बदल जाएगा। दोपहर में बारिश होने की संभावना है, और बारिश की संभावना 60फीसदी है। इससे खेल में रुकावट आ सकती है, हालांकि सुबह का सत्र अपेक्षाकृत सूखा रहने की उम्मीद है। 22 जून, रविवार को तापमान में गिरावट आएगी (अधिकतम 22 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस)। सुबह हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन दिन में बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना केवल 4फीसदी है। 23 जून, सोमवार को आंशिक रूप से धूप और हवा चलेगी। सुबह हल्की बारिश की संभावना 25फीसदी है। 24 जून, मंगलवार को बादल छाए रहेंगे, लेकिन बाद में आसमान साफ होने की उम्मीद है। बारिश की संभावना 25फीसदी है। पिच रिपोर्ट के अनुसार, हेडिंग्ले की पिच हरी होने वाली है। यह तेज और स्विंग गेंदबाजों के लिए मददगार है, खासकर पहले दो दिनों में। बादल छाए रहने से सीम मूवमेंट और बढ़ सकता है। बल्लेबाजों को शुरुआत में संभलकर खेलना होगा, लेकिन तीसरे दिन से पिच थोड़ी सपाट हो जाती है। मैच के आखिर में स्पिनरों को भी मदद मिल सकती है क्योंकि पिच पर निशान बन जाएंगे।

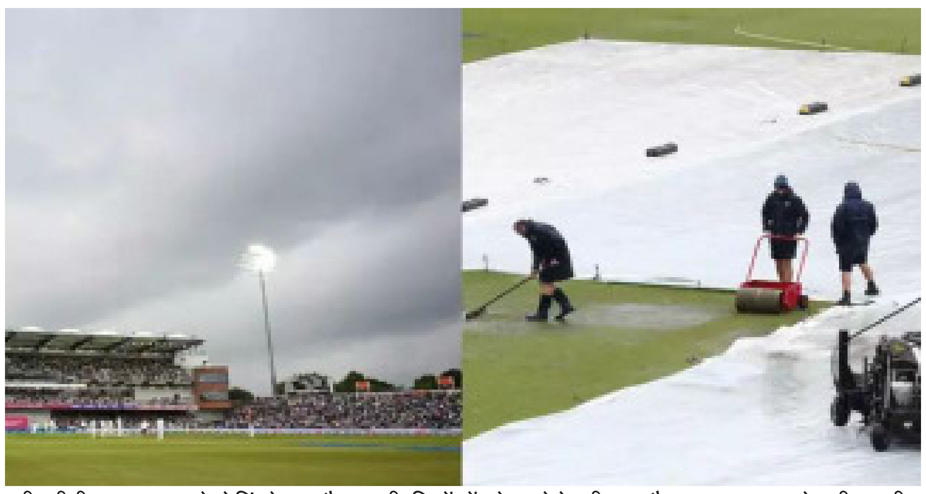

'शराब से बड़ा जहर चाय' डॉ. की चेतावनी-हर घूंट से आंतों का बेड़ा गर्क,कैंसर का भी रिस्क

नयी दिल्ली। लोग कहते हैं कि शराब ने घरों को बर्बाद कर दिया, मैं कहता हूं कि शराब ने कुछ ही घरों को बर्बाद किया है लेकिन हर घर को, हर इंसान को बर्बाद कर दिया चाय ने। यह कहना है योगाचार्य डॉक्टर विश्वदेव का। उन्होंने चाय को शराब से ज्यादा जहरीला बताया है। उन्होंने कहा है कि भारत में शराब से नशेड़ियों से ज्यादा चाय के नशेड़ी रहते हैं, जो सुबह उठते ही चाय नाम का जहर अपने शरीर में डाल रहे हैं। चाय का सिर्फ एक ही काम है पेट में गैस और एसिडिटी बनाना और पाचन सिस्टम का बेड़ा गर्क करना। डॉक्टर ने चाय पीने के नुकसान बताए हैं और बताया है कि चाय कैसे शराब से ज्यादा जहरीली चीज है। लोग कहते हैं कि शराब ने घरों को बर्बाद कर दिया, मैं कहता हूं कि शराब ने कुछ ही घरों को बर्बाद किया है लेकिन हर घर को, हर इंसान को बर्बाद कर दिया चाय ने। यह कहना है योगाचार्य डॉक्टर विश्वदेव का। उन्होंने चाय को शराब से ज्यादा जहरीला बताया है। उन्होंने कहा है कि भारत में शराब से नशेड़ियों से ज्यादा चाय के नशेड़ी रहते हैं, जो सुबह उठते ही चाय नाम का जहर अपने शरीर में डाल रहे हैं। चाय का सिर्फ एक ही काम है पेट में गैस और एसिडिटी बनाना और पाचन सिस्टम का बेड़ा गर्क करना। डॉक्टर ने चाय पीने के नुकसान बताए हैं और बताया है कि चाय कैसे शराब से ज्यादा जहरीली चीज है।डॉक्टर ने बताया कि चाय सबसे खतरनाक पेय पदार्थ है। इसके सेवन से पाचन तंत्र पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है। अगर आप रोजाना सुबह उठते ही चाय पी रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप अपने पाचन को खराब करने में लगे हैं। चाय पीने गैस और एसिडिटी होती है और इनके होने से पूरी दुनिया की बीमारियां आपको हो सकती हैं।डॉक्टर ने बताया कि चाय पीने के बाद गैस-एसिडिटी की समस्या होने से आपको मोटापे का खतरा हो सकता है। अगर आप वजन कम करे हैं और मोटापा रोकना चाहते हैं, तो इससे बचें।गैस-एसिडिटी बढ़ने से आपको हाई ब्लड प्रेशर और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। बीपी की मरीजों को चाय पीने से बचना चाहिए।चाय पीने से गैस-एसिडिटी बनती है और इसकी वजह से आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ सकता है। कोलेस्ट्रॉल एक खतरनाक समस्या है जिससे हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।डॉक्टर ने बताया कि गैस-एसिडिटी की वजह से आपको ब्रेन हेमरेज और पैरालायसिस का भी खतरा हो सकता है। इन समस्याओं से बचने के लिए आपको चाय को छोड़ना चाहिए।डॉक्टर ने बताया कि चाय के सेवन से आप न सिर्फ अपनी सेहत का बड़ा गर्क कर रहे हैं बल्कि अपने मेहमानों की सेहत भी बर्बाद कर रहे हैं।

लड़के से लड़की बनी अनाया बांगर ने बीसीसीआई और आईसीसी से क्या मांग लिया? 8 पेज का लंबा-चौड़ा पोस्ट लिख बताई सच्चाई

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने का आग्रह किया है। अनाया ने यह कदम तब उठाया है जब ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को महिला क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति नहीं है। यह प्रतिबंध 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद आईसीसी बोर्ड की बैठक में लगाया गया था। अनाया ने एक आठ-पृष्ठ की वैज्ञानिक रिपोर्ट साझा की है जिसमें एक ट्रांसजेंडर एथलीट के रूप में उनकी परिवर्तन यात्रा का विवरण है। अनाया इन निष्कर्षों को आईसीसी और बीसीसीआई को सौंपने की योजना बना रही हैं। उनका मानना है कि विज्ञान के अनुसार वह महिला क्रिकेट के लिए योग्य हैं और अब यह देखना है कि दुनिया इस सच्चाई को सुनने के लिए तैयार है या नहीं। अनाया बांगर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने अपने टेस्ट रिपोर्ट दिखाए। अनाया ने बताया कि उन्होंने एक साल तक हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी लेने के बाद मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम किया। इन टेस्टों में उनकी मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, ग्लूकोज और ऑक्सीजन के स्तर का डेटा इकट्ठा किया गया। फिर इस डेटा की तुलना सामान्य महिला एथलीटों से की गई। नतीजों से पता चला कि अनाया के ये सभी पैरामीटर सामान्य महिला एथलीटों के स्तर के भीतर थे। अनाया ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'पहली बार, मैं उस वैज्ञानिक रिपोर्ट को साझा कर रही हूं जो एक ट्रांस महिला एथलीट के रूप में मेरी यात्रा को दर्शाती है। पिछले एक साल में, मैंने हार्मोन थेरेपी शुरू करने के बाद संरचित शारीरिक आकलन किया है। यह रिपोर्ट मेरे परिवर्तन के वास्तविक, मापने योग्य प्रभाव को दर्शाती है, न कि राय, न धारणाएं, बल्कि डेटा।'अनाया ने आगे कहा, 'मैं इसे पूरी पारदर्शिता और उम्मीद के साथ बीसीसीआई और आईसीसी को सौंप रही हूं। मेरा एकमात्र इरादा डर पर नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित बातचीत शुरू करना है। जगह बनाना है, विभाजित करना नहीं। आप सहमत हों या न हों, देखने के लिए धन्यवाद।' अनाया, जिनका जन्म पुरुष के रूप में हुआ था, बाद में महिला बन गईं। 23 वर्षीय अनाया ने एचआरटी के एक साल पूरा होने के बाद यह कदम उठाया। अनाया के पिता, संजय बांगर, ने भारत के लिए 12 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने 2014 से 2019 तक राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में भी काम किया है। अनाया का यह प्रयास ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। वह चाहती हैं कि आईसीसी और बीसीसीआई इस मामले पर ध्यान दें और ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को भी क्रिकेट खेलने का मौका मिले।

करुण नायर के साथ लंबे समय तक भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं राहुल, भावुक होकर कही यह बात

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। लीड्स में खेले जाने वाले शुरुआती टेस्ट से पहले केएल राहुल का बयान सामने आया है। उन्होंने करुण नायर के साथ लंबे समय तक टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा जताई है। राहुल ने कहा कि वह नायर की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी से काफी उत्साहित हैं।राहुल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह अपने इस करीबी दोस्त के साथ लंबे समय तक देश की तरफ से खेलेंगे। नायर और राहुल, दोनों 33 साल के हैं और बचपन से ही एक साथ आयु वर्ग की क्रिकेट खेलते आए हैं। दोनों करीबी दोस्त हैं।

क्या 'डेथबेड' पर हैं हल्क होगन? सामने आई सच्चाई, टेंशन में फैंस

नयी दिल्ली। रेसलिंग जगत के दिग्गज हल्क होगन के स्वास्थ्य को लेकर हाल ही में अफवाहें उड़ी थीं कि वे गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। एक रेडियो होस्ट के दावों के बाद चिंता फैल गई थी, लेकिन होगन के प्रतिनिधि ने इन अफवाहों का खंडन किया है और बताया है कि उनकी स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी बताई जा रही है। हल्क होगन को गर्दन और पीठ की पुरानी समस्याओं के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं और ठीक हो रहे हैं। टीएमजेड स्पोर्ट्स के अनुसार, हल्क होगन को इस सप्ताह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हल्क होगन के प्रतिनिधि के अनुसार, वे केवल उन्हीं स्थितियों से जूझ रहे हैं जो उन्हें सालों से हैं और उनके जीवन को कोई खतरा नहीं है। उनके प्रतिनिधि का कहना है कि वह पहले से ही उठ रहे हैं और अच्छा कर रहे हैं।होगन की पिछले महीने गर्दन की सर्जरी भी हुई थी और प्रक्रिया बहुत अच्छी रही। वह अभी भी रेसलिंग से सालों से हो रहे घिसाव से जूझ रहे हैं और उन्होंने हार नहीं मानी है। स्थानीय रेडियो होस्ट बुब्बा द लव स्पंज ने ऑन एयर कहा कि उन्होंने सुना है कि दिग्गज पहलवान का स्वास्थ्य खराब है और जाहिर तौर पर उनके प्रियजनों को उन्हें अलविदा कहने के लिए बुलाया जा रहा है। होगन को पिछली चोटों के कारण नियमित देखभाल के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन वे अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं और डेथबेड पर नहीं हैं। हल्क होगन के स्वास्थ्य को लेकर उड़ी अफवाहों ने फैंस को चिंतित कर दिया था।

दुनिया की सबसे भयानक बीमारी का बेस्ट इलाज भारतीयों के पास है!

83 वर्ष के रिटायर बैंकर मर्विन मार्कस के पास इन दिनों एक नया मित्र है। और वर्तमान में इस नए मित्र की मित्रता महज 23 लोगों के साथ ही है। इसका नाम है 'मीला', यह ऐसा ही है जैसा आपने पहले 'एलेक्सा' सुना था। यह नया दोस्त फिलहाल पायलट तौर पर अध्ययन के लिए अमेरिका में वरिष्ठजनों के सामुदायिक आवास के निवासियों के साथ है। मीला अकेले रहने वाले लोगों के साथ चैट करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक साथी है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य यूजर्स के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। अतः यह ना सिर्फ एक ऐसी साथी है, जिससे आप जब चाहो, जिस विषय पर चाहो बात कर सकते हो, बल्कि बेहद सहानुभूतिपूर्ण भी है। यदि आप किसी बात पर हताश हो तो मीला पीछे से कहेगी कि 'यह समझ आता है'। वहां से कुछ सौ किलोमीटर दूर कनाडा में 57 वर्षीय ब्रेन फर्नांडीज 'को-हाउसिंग सिस्टम' बनाकर संयुक्त परिवार प्रणाली को दोहराने की योजना बना रहे हैं, जहां भिन्न पृष्ठभूमि के लोग साथ रहें व देखें कि मिलकर कितने बेहतर तरीके से उम्रदराज हो सकते हैं। उन्होंने बचपन भारत में, खासकर संयुक्त परिवार में बिताया।

वो सिंगल हैं, संतान नहीं है, इसलिए चाहते हैं कि उनके जैसे लोग ओंटेरियो में उनकी 17 एकड़ की

संपत्ति में रहें, जो उन्होंने खासकर एलजीबीटीक्यू वर्ग के 40 वरिष्ठजनों के लिए तय की है। वरिष्ठजनों के लिए दीर्घकालिक देखभाल सुविधा में लंबे समय काम के दौरान फर्नांडीज ने देखा कि उनसे मिलने कभी कोई नहीं आता, इसलिए उन्हें इस समुदाय के बुजुर्गों की चिंता थी। सोशल एपिडेमियोलॉजिस्ट, जो ये स्टडी करते हैं कि सामाजिक कारक कैसे लोगों की हेल्थ पर असर डालते हैं और सामाजिक-आर्थिक स्तर, नस्ल, लिंग, पड़ोस का वातावरण, सोशल नेटवर्क, सामाजिक नीतियों का कैसा असर पड़ा है। उनका कहना है कि लोग तब सबसे अच्छा महसूस करते हैं, जब वो ऐसे सामाजिक मेलमिलाप में रहें, जहां उन्हें स्वच्छंदता भी मिले। मुझे नहीं लगता, इसे समझने के लिए 'सोशल एपिडेमियोलॉजिस्ट' जैसे आकर्षक नाम की जरूरत है। हमारे पूर्वजों ने पहले ही ऐसा कुछ बनाया, जिसे हम संयुक्त परिवार कहते हैं। जब परिवार में ज्यादा बच्चे होते थे तो एक परिजन सभी के टूथब्रश पर मटर के दाने बराबर टूथपेस्ट रखता और निगरानी भी करता कि सभी प्रतिदिन नहाकर, साफ कपड़े पहनें। जब परिवार में बहुत से बुजुर्ग होते तो बीच की उम्र का एक सदस्य (पुरुष या महिला) वो सारे काम सुनिश्चित करता जो बच्चों के लिए थे। संयुक्त परिवारों में बुजुर्ग सामाजिक मेलजोल में रहते हैं, उन्हें ये भरोसा दिलाया जाता है कि उनकी मर्जी व जरूरतों का ख्याल रखा जाएगा। जब मैंने कमाना शुरू किया तो परिवार में बच्चों को मेरी गिफ्ट बॉम्बे (अब मुम्बई) के विले पार्ले से लाए पार्ले के ब्रोकन ग्लूकोज बिस्किट होते थे और नानाजी के लिए कुछ किलो किस्मी टॉफी होती थीं, जिसे वो गाल में दबाकर मिनटों चूसा करते थे। आज कुछ लोग कह सकते हैं, 'देखो, कैसे बच्चे जैसे कैंडी चूस रहे हैं', पर तब हमें उनका बच्चों जैसा व्यवहार और बिना दांतों की मुस्कान बहुत पसंद थी। उन्हें कभी भी डायबिटीज नहीं हुई, क्योंकि वो मंदिर में परिक्रमा करते रहते थे, चलते रहते थे, ताकि अगले जन्म के लिए पुण्य कमा सकें, यदि ऐसा कुछ होता है तो। घर में कुछ बच्चे उन्हें मंदिर ले जाते और जब नानी कहतीं कि 'नाना को ले आओ, खाना तैयार है, वो वहां मंदिर में ऐसे बैठे हैं, मानो भगवान ही उनके लिए खाना बनाने जा रहा है।' तो बच्चे उन्हें लेने जाते थे। इस बात में हताशा नहीं थी। क्योंकि दोनों ने वही चुना जो उन्हें अच्छा लगता था, नाना ने मंदिर चुना और नानी ने रसोई। मंदिर से लौटते हुए वो कहानियां, ऑफिस के पुराने किस्से सुनाते, फिर भले ही उस उम्र में वह हमारे समझ नहीं आते हों। लेकिन नानाजी जानते थे कि उनका अनुभव तीसरी पीढ़ी को दिया जा रहा था।फंडा यह है कि अकेलापन निःसंदेह दुनिया की सबसे बड़ी बीमारी है। एआई और 'को-हाउसिंग सिस्टम' हमारी उस संयुक्त परिवार संस्कृति के आसपास भी नहीं आ सकता, जैसी बुजुर्गों ने अपनाई थी। आपको नहीं लगता कि हमें हमारी जड़ों की ओर लौटना चाहिए और इसे अपनाना चाहिए?

अब 'रेयर अर्थ' को लेकर दुनिया में खींचतान होगी

लंदन में दो दिन की बातचीत के बाद अमेरिका और चीन पिछले

महीने जेनेवा में हुए व्यापार सौदे के स्थान पर एक नए सौदे पर सहमत हो गए। जिनपिंग और ट्रम्प की फोन पर बातचीत के बाद जेनेवा समझौता हुआ था। लेकिन अमेरिका ने हुआवे कंपनी की कुछ एसेन्ड चिप्स का उपयोग निलंबित कर दिया था, जिसके कारण जेनेवा सौदा रद्द कर दिया गया। प्रतिक्रिया में चीन ने दुनियाभर में हाईटेक उत्पादों में काम आने वाले रेयर अर्थ पदार्थों का निर्यात सीमित कर दिया। अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई में चीनी विद्यार्थियों के वीजा वापस ले लिए थे। तब जाकर ट्रम्प और जिनपिंग ने बीते सप्ताह 90 मिनट बात की और फिर लंदन समझौता हुआ। अब, ट्रम्प के एक ट्वीट के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जिन बातों पर सहमति बनी है, उनमें टैरिफ घटा कर चीन पर 55 प्रतिशत और अमेरिका पर 10 प्रतिशत किया जाएगा। अमेरिका चीन को कॉरमेक एयरलाइनर के पुर्जों की सप्लाई समेत कुछ तकनीकी प्रतिबंधों को हटा सकता है। दोनों पक्षों को आशा है कि इससे उनके बीच चल रहे ट्रेड वॉर में शांति आएगी और कई मुसीबतों से जूझ रही उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बल मिलेगा। लेकिन इससे यह तो स्पष्ट हो गया है कि अमेरिका और चीन के बीच मौजूदा समस्या की जड़ में रेयर अर्थ और मैग्नेट का मसला है। रेयर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए जरूरी है। 17 प्रकार की धातुओं को रेयर अर्थ के नाम से जाना जाता है। ऐसा नहीं कि ये दुर्लभ हैं। ये पूरी दुनिया में पाए जाते हैं। लेकिन सिर्फ चीन में ही ऐसे भंडार हैं, जहां आसानी से इनका खनन किया जा सकता है। चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। चूंकि इन तत्वों को एक-दूसरे से अलग करना मुश्किल है, इसीलिए इन्हें रेयर कहा जाता है। इनको अलग करने की जटिल प्रक्रिया में भारी मात्रा में एसिड की जरूरत होती है। रेयर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। इनका 70 प्रतिशत खनन और 90 प्रतिशत प्रोसेसिंग अकेला चीन करता है। ये विंड टर्बाइन, रक्षा उपकरणों और इले?क्ट्रिक वाहनों से लेकर हर चीज में काम आते हैं। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्व यों समझा जा सकता है कि जैसे ही चीन ने रेयर अर्थ और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए, भारत में सुजूकी कंपनी को अपनी लोकप्रिय स्विफ्ट कार का निर्माण टालने के लिए मजबूर होना पड़ा। विश्व की अन्य कार कंपनियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। अप्रेल में जब ट्रम्प ने अपने लिबरेशन डे टैरिफ की घोषणा की तो चीन ने सात प्रकार की रेयर अर्थ धातुओं तथा इनसे बनने वाली सुपर पॉवरफुल मैग्नेट का निर्यात रोक दिया, क्योंकि ये चीजें सैन्य और नागरिक, दोनों प्रकार के उपयोग में आती हैं। 2010 में जापान से सीमा विवाद के बाद भी चीन ने इनका निर्यात रोका था। रेयर ?अर्थ की आपूर्ति बहाल करने में चीन की धीमी गति के कारण ही जेनेवा समझौता टूट गया था। अधिकतर रेयर अर्थ मैग्नेट नियोडिमियम और प्रेसियोडीमियम से बनी होती हैं। इसमें डायस्प्रोसियम और टर्बियम मिलाएं तो यह मैग्नेट ताप के प्रति और अधिक प्रतिरोधी बन जाता है। जिन रेयर अर्थ का निर्यात चीन ने रोका, उनमें सैमेरियम का उपयोग इंटर कॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइलों के गाइडेंस-सिस्टम में होता है। लड़ाकू विमान एफ-35 में कई किलोग्राम सैमेरियम काम आता है। यट्रियम का उपयोग लेजर बनाने और स्कैंडियम का उपयोग हल्के विमानों के पुर्जे बनाने में होता है। लेकिन इन तत्वों का सैन्य उपयोग महज 5 प्रतिशत ही है। भारत को भी क्लीन एनर्जी, विंड टर्बाइन, मिसाइल गाइडेंस और सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए रेयर अर्थ तत्वों की जरूरत है। 2023-24 में हमने 2270 टन रेयर अर्थ आयात किया था। इसमें अधिकतर हिस्सा चीन से आया था। भारत में भी रेयर अर्थ के भंडार हैं, जो वैश्विक भंडारों के लगभग 6 प्रतिशत हैं। केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्रप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इसके भंडार हैं। लेकिन दुनियाभर की आपूर्ति का महज एक प्रतिशत हिस्सा ही भारत में उत्पादित होता है। रेयर अर्थ के लिए चीन पर निर्भर होना सही नहीं होगा, क्योंकि इससे उसे हम पर प्रभावी होने का मौका मिलता है। अब यह जरूरी है कि भारत अपने स्तर पर इनका उत्पादन शुरू करे और अन्य देशों में भी खनन की संभावनाएं देखे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आइए, इस मानसून में पेड़ लगाएं, और कुछ अतिरिक्त भी करें

हर साल मानसून के आते ही, लाखों नेक इरादे वाले नागरिक

पौधरोपण अभियान में हिस्सा लेते हैं। यह एक उत्साहजनक दृश्य है : कीचड़ से सने हाथ वाले बच्चे, उत्साही स्वयंसेवक और पर्यावरण के लिए कुछ अच्छा करने की भावना। पेड़ लगाना पर्यावरण और जलवायु-कार्रवाई का लगभग पर्याय बन गया है। लेकिन क्या हमें इसके अलावा कुछ और भी करने की जरूरत है? आइए आज के संदर्भ में इसे समझने का प्रयास करते हैं!क्या आप जानते हैं कि अपने कार्बन उत्सर्जन की भरपाई के लिए आपको हर साल कितने पेड़ लगाने होंगे? औसत वैश्विक प्रति व्यक्ति सीओ2 उत्सर्जन प्रति वर्ष लगभग 4.7 टन है। एक परिपक्व पेड़ प्रति वर्ष लगभग 20 किलोग्राम सीओ2 अवशोषित करता है। यानी सिर्फ अपने हिस्से की भरपाई के लिए आपको प्रति वर्ष 235 पेड़ लगाने होंगे। लेकिन लगाए गए पेड़ों में से 20इ ही लंबे समय तक जीवित रह पाते हैं।इसका मतलब है कि वास्तव में आपको अपने वार्षिक उत्सर्जन की भरपाई के लिए प्रतिवर्ष 1,175 पेड़ लगाने की आवश्यकता है। अब इसे 8.3 अरब लोगों की वैश्विक आबादी से गुणा करें। इसका मतलब है कि हर साल 9.7 ट्रिलियन से ज्यादा पेड़ों की जरूरत है। और इस समय पृथ्वी पर कितने पेड़ मौजूद हैं? लगभग 3 ट्रिलियन। ऐसे में सिर्फ पौधरोपण पर निर्भर रहने के लिए, हमें हर साल पृथ्वी पर मौजूद कुल पेड़ों की संख्या से तीन गुना ज्यादा पेड़ लगाने होंगे।इसका मतलब यह नहीं है कि पेड़ महत्वहीन हैं। वन जैव-विविधता, वर्षा चक्र और पारिस्थितिक संतुलन के लिए जरूरी हैं। लेकिन हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के साथ ही वास्तविक मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वास्तविक मुद्दा अत्यधिक उपभोग है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन होता है : एक तरह का अदृश्य कचरा, जिसे हम अपने वायुमंडल में हर दिन, हर घंटे फेंकते हैं।हर उत्पाद जो हम खरीदते हैं, हर उड़ान जो हम लेते हैं, हर कपड़ा, हर भोजन, हर गैजेट- यह सब कार्बन है। वास्तव में किसी भी सामग्री या उत्पाद का उपभोग कार्बन उत्सर्जन है। यहां तक कि हर सुबह वॉट्सएप पर गुड मॉर्निंग संदेश भेजने में भी लगभग 4 ग्राम कार्बन उत्सर्जन होता है।इसका मतलब है कि आज कार्बन उत्सर्जन का अधिकांश हिस्सा कारखानों या बिजली संयंत्रों से नहीं आता है; वह मांग से आता है। उस व्यक्ति की मांग, जो किसी कारखाने या बिजली संयंत्र के उत्पाद का उपयोग करता है।जब तक हम उपभोग के प्रश्न को संबोधित नहीं करते, तब तक कितने भी पेड़ लगाने से हम नहीं बच पाएंगे। दूसरे शब्दों में, जैसे कि पैरासिटामोल लेने से कैंसर का इलाज नहीं किया जा सकता है, वैसे ही जलवायु परिवर्तन की समस्या को सिर्फ पेड़ लगाने से हल नहीं किया जा सकता है। हमें और भी करना होगा।सीमित संसाधनों वाले सीमित ग्रह पर असीमित उपभोग नहीं हो सकता। यह न केवल असंवहनीय है; यह असंभव है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था के विकास के साथ हमारे ग्रह और उसके संसाधनों का आकार नहीं बढ़ रहा है, खनिज और मिट्टी नहीं बढ़ रही है। इसलिए, हमें एक नया दर्शन अपनाने की जरूरत है : सीमित पृथ्वी, सीमित उपभोग। यह स्मार्ट, सचेत जीवन जीने के बारे में है। जो जरूरी है उसका उपयोग करें, जो टाला जा सकता है उसे टालें, जो टाला नहीं जा सकता है उसे कम से कम करें। और केवल वहीं उत्पादन करें जहां बिल्कुल जरूरी हो।पिछले साल ही मैंने अपने प्रयासों के हिस्से के रूप में 400 से ज्यादा पेड़ लगाए- सुनियोजित तरीके से। यानी मैं पौधरोपण के बिलकुल खिलाफ नहीं हूं। लेकिन मैं समस्या मूल कारण की अनदेखी नहीं कर रहा हूं : और यह है अत्यधिक उपभोग से उत्सर्जन। हमें लक्षणों का इलाज करना बंद करना चाहिए और मूल कारणों को संबोधित करना शुरू करना चाहिए। तो इस मानसून पौधे जरूर लगाएं, लेकिन थोड़ा रुकें और सोचें भी। अपनी आदतों, खरीदारी, कचरे पर सवाल उठाएं। प्रतीकात्मकता से ठोस कार्रवाई की ओर बढ़ें। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

50 साल पुराने आपातकाल से हमने क्या सबक सीखे हैं?

आज आपातकाल को सिर्फ इंदिरा गांधी के नाम से ही जाना जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने

25 जून 1975 को 'आंतरिक अशांति' के नाम पर आपातकाल घोषित किया था, किंतु वास्तव में यह खतरे में घिरी उनकी कुर्सी को बचाने के लिए था। विडम्बना यह है कि 1977 में उन्हें स्वयं ही आपातकाल हटाकर चुनावों की घोषणा करनी पड़ी। इस निर्णय से सभी चकित थे। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने को हैं। हमारी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अतीत में पीछे लौटकर देखने से हमें कुछ जरूरी सीखें मिलती हैं। ऐसे में यह जानना भी उपयोगी होगा कि इंदिरा गांधी ने आपातकाल क्यों लगाया और क्यों उसे हटाने का निर्णय किया। कहानी 12 जून 1975 को शुरू होती है। सुबह 10.05 बजे खबर आती है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनावों में अनुचित आचरण का दोषी पाकर उनकी संसद सदस्यता समाप्त कर दी है। उसी शाम एक और बुरी खबर आई कि गुजरात में कांग्रेस चुनाव हार गई है। वहां इंदिरा ने जमकर चुनाव-प्रचार किया था, लेकिन युवाओं का नवनिर्माण आंदोलन हार का कारण बना। बांग्लादेश विभाजन के बाद इंदिरा की दुर्गा वाली छवि एकाएक धुंधली हो गई थी। इंदिरा ने कुछ समय के लिए इस बारे में सोचा कि वे सुप्रीम कोर्ट से दोषमुक्त घोषित होने तक इस्तीफा दे दें और अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री बना दें, लेकिन बाद में उन्होंने यह विचार त्याग दिया। 24 जून को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे देने से इनकार कर दिया और आदेश दिया कि इंदिरा लोकसभा की कार्रवाई में न तो हिस्सा ले सकेंगी और न ही वोट दे सकेंगी। 25 जून की रात इंदिरा ने मंत्रिमंडल से चर्चा किए बिना ही आपातकाल की घोषणा कर दी। 25 जून की ही शाम को सर्वोदयी नेता जयप्रकाश नारायण समेत तमाम विपक्षी नेताओं ने दिल्ली के रामलीला मैदान में सभा की थी। यहीं जेपी ने नारा बुलंद किया था : 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।' सभा के बाद जेपी दिल्ली के गांधी शाति प्रतिष्ठान में ठहरे थे। तड़के 3 बजे जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो उन्होंने कहा 'विनाश काले विपरीत बुद्धि'। अटल ?बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, चंद्रशेखर समेत अन्य विपक्षी नेताओं, संघ कार्यकर्ताओं और हजारों उन लोगों को भी पुलिस उठा ले गई, जो इंदिरा की राजनीति का विरोध कर रहे थे। अगले 3-4 महीनों तक इन नेताओं के परिवारों तक को पता नहीं चला कि उन्हें कहां ले जाया गया है। आगामी 21 महीनों तक इंदिरा गांधी ने तमाम मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए थे, प्रेस का दमन किया था, अपनी ताकत बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन किए थे, न्यायपालिका की स्वायत्तता को कम किया था, संसद का कार्यकाल बढ़ा दिया था और गरीब किसानों को बिजली-पानी बंद करने की धमकियां दी गई थीं। यह सब उनके पुत्र संजय गांधी की योजनाओं को पूरा करने के लिए हो रहा था। उस वक्त संजय ही इंदिरा की सत्ता के पीछे की एक असंवैधानिक ताकत बने हुए थे। आज भी विश्लेषक हैरान होते हैं कि इंदिरा गांधी ने 1977 में चुनावों की घोषणा क्यों की? कुछ लोगों का मानना है कि उन्होंने ऐसा ?इसलिए किया, क्योंकि वे तानाशाह संजय गांधी की मां से ज्यादा लोकतांत्रिक पं. नेहरू की बेटी थीं। कुछ अन्य का मत है कि इसके पीछे आपातकाल के समर्थक रहे विनोबा भावे और कम्युनिस्ट पार्टी का दवाब था।

जब पहली बार विनोबा ने उनसे विपक्षी नेताओं को छोड़ने की मांग की तो इंदिरा ने कहा था कि वे भी ऐसा ही करतीं, लेकिन 15 अगस्त 1975 को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद उन्हें लगा कि यह उनके साथ भी हो सकता है। उन्होंने विपक्षी नेताओं से भी मुलाकात की, ताकि उनके रुख को नरम किया जा सके। व?हीं आईबी ने इंदिरा गांधी को बताया था कि वे 340 सीटें जीत रही हैं। तो क्या हमने आपातकाल से कुछ सबक सीखा है? राहुल गांधी ने चार वर्ष पहले स्वीकारा था कि आपातकाल एक 'बड़ी गलती' थी। हालांकि कई विरोधी आज के भाजपा शासन को भी 'अघोषित आपातकाल' बताते हैं, क्योंकि विपक्षियों के खिलाफ एजेंसियों का उपयोग हो रहा है। लेकिन अगर भाजपा ने आपातकाल से कोई सबक लिया होगा तो वो यही होगा कि इंदिरा गांधी की भूल को कभी नहीं दोहराना है! आज भी विश्लेषक हैरान होते हैं कि इंदिरा गांधी ने 1977 में चुनावों की घोषणा क्यों की? कुछ लोगों का मानना है कि उन्होंने ऐसा ?इसलिए किया, क्योंकि वे तानाशाह संजय गांधी की मां से ज्यादा लोकतांत्रिक पं. नेहरू की बेटी थीं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

क्या जीवन के लफड़े और लोभ वाकई हैं?

आधी रात का वक़्त है, एक लड़की

'असीम मिश्रा' (आधुनिक समाचार नेटवर्क)

अस्पताल के बेड पर पेट के बल लेटी हुई मोबाइल चला रही है, उसके ऊपर से नवरत्न तेल कि महक आ रही थी शायद सर दर्द हुआ रहा होगा, नौतपा कि गर्मी से उसकी गर्दन पे पसीना था, उसकी गंध उसके बारे मे सबकुछ बता रहें थे.जैसा कि किसी भी व्यक्ति को स्कैन करने पे चीज़े मालूमात होती हैं। तभी कोई उससे कहता है 'सुनिए!' वह करवट बदलकर देखती है, बगल के बेड पर लेटा हुआ एक अधेड़ उम्र का मरीज़ उससे कुछ बात करना चाह रहा है, 'जी बताइए!' वह जवाब देती है.. 'आप यहाँ क्यों भर्ती हुई हैं? मेरा मतलब है, क्या हुआ है आपको?' लड़की बताती है कि 'कुछ खास़ नहीं, जरा सी फूड प्वाइज़निंग हो गई थी, सुबह डिसचार्ज हो जाऊँगी, आपको क्या हुआ है? आप क्यों भर्ती हुए हैं?' वह मरीज़ बताता है कि 'मेरा एक्सीडेन्ट हुआ था, मुझे दो यूनिट खूऩ चढ़ना है, अगर कोई डोनर मिल जाए तो मैं भी डिसचार्ज हो जाऊँ!' लड़की तुरंत जवाब देती है कि 'अरे अंकल! सुबह आपको डोनर मिल जाएँगे, एक यूनिट तो मैं ही दे दूँगी और बाक़ी के लिए मैं अपने दोस्तों से कह दूँगी, आप बिल्कुल परेशान मत होइए! और कुछ बतियाते रहें दोनों, अस्पताल के दो मरीज एक दूसरे कि पीड़ा सुनकर वर्षो के सम्बन्ध से अधिक आत्मीय और प्रिय हो जाते है,,, उनकी पीड़ा समस्या एक जैसी होती है.. वहां चालाकी नहीं होती कई बार लोग अपने बच्चो को भेजते है के देख के आओ उनका अब क्या हाल है ख़ैर लड़की कहती है अब आराम से सो जाइए'.. सुबह डिसचार्ज होते समय लड़की डॉक्टर से पूछती है कि 'क्या मैं ब्लॅड डोनेट कर सकती हूँ?' डॉक्टर जवाब देता है कि हर स्वस्थ और वयस्क व्यक्ति ब्लॅड डोनेट कर सकता है, दस दिन बाद तुम भी डोनेट कर सकती हो'.. लड़की नर्वस होते हुए बोलती है कि 'लेकिन मैंने तो अंकल से आज ही डोनेट करने के लिए बोल दिया है!'.. 'कौन से अंकल से?' डॉक्टर पूछता है.. लड़की बगल वाले बेड की तरफ़ इशारा करते हुए जवाब देती है कि 'अरे वही अंकल जो रात में इस बेड पर थे, कहाँ गए वो?' डॉक्टर चौंकते हुए बोलता है कि 'यह बेड तो एक हफ़्ते से खाल़ी है, हाँ! इससे पहले इस पर एक साहब भर्ती थे, लेकिन उनकी तो पिछले हफ़्ते मौत हो गई, तब से यह खाल़ी है'.. 'क्या हुआ था उन्हें?' लड़की घबराते हुए पूछती है.. डॉक्टर बताता है कि 'एक्सीडेन्ट हुआ था, अस्पताल लाते-लाते खूऩ ज़्यादा बह गया था इसलिए दो यूनिट खूऩ तत्काल चढ़ना था, लेकिन कोई डोनर नहीं मिला और थोड़ी देर बाद उनकी डेथ हो गई' लड़की हैरान रह गई और उसकी बड़ी-बड़ी आँखें और बड़ी हो गई थीं.. उसे पूरा मामला समझ में आ गया था लेकिन उसके मुँह से एक शब्द भी फूट नहीं पा रहा था...जीवन के समाप्ति पर चालाकी और छोटी दिक्कते याद नहीं आती,, सिर्फ फ़्लैश से पूरा अतीत सामने से निकलता हैं... जीवन मे सरलता, सहजता, करुड़ा.. आवश्यक तत्व है अन्यथा प्रकृति बराबर कर देती है,,, किसी धनवान को मजबूर या किसी व्यक्तित्व वाले को शारीरिक व्यथा,,, या किसी को आकस्मिक...!

हादसे होते हैं, जिम्मेदारी कोई नहीं लेता

वर्ष 1996 में दो विमानों के हवा में टकराने के बाद से इस देश के सबसे भयावह विमान हादसे में कम से कम 270 लोग मारे गए। एअर इंडिया की फ्लाइट उस गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई, जो सरकार के दो बड़े नेताओं का गृह राज्य है। दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाना अब भी जल्दबाजी ही होगी, लेकिन इससे देश में हवाई सुरक्षा पर बहस तो छिड़ ही गई है। जहां आधिकारिक डेटा बताते हैं कि इस क्षेत्र में भारत का सुरक्षा ट्रैक रिकॉर्ड वैश्विक मानकों के अनुरूप है, फिर भी चिंता के पर्याप्त कारण हैं। टाटा समूह द्वारा संचालित एअर इंडिया का प्रबंधन अभी भी इस तथ्य को स्वीकारने की कोशिश कर रहा है कि एक पुरानी एयरलाइन चलाना, स्टील या किसी अन्य उपभोक्ता व्यवसाय को चलाने जैसा नहीं है। बोइंग- जो दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनी है- खुद को जांच के दायरे में पाती है। बढ़ते एविएशन सेक्टर पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय की निगरानी पर सवाल उठेंगे। अहमदाबाद हवाई अड्डे का प्रबंधन और संचालन करने वाले अदाणी समूह को भी जवाब देना होगा। मार्च में मंत्रालय पर एक संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट ने बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के स्वीकृत पदों में से 53फीसदी खाली पड़े हैं, जबकि इस विभाग के सुरक्षा ब्यूरो में रिक्तियों की दर 35फीसदी है। महत्वाकांक्षी 'उड़ान' योजना का लक्ष्य 120 नए गंतव्यों को जोड़ना है, लेकिन उसके बजट में 32फीसदी कटौती कर दी गई है। एक? तरफ देश में पिछले दशक में हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, वहीं सुरक्षा मानकों को बनाए रखने पर खर्च की जा रही राशि बहुत कम है। क्या एक हवाई दुर्घटना धरातल पर कुछ बदल सकेगी? ब्लैक बॉक्स और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर इस बारे में अधिक सुराग दे सकते हैं कि विमान उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही आग के गोले में तब्दील क्यों हो गया। लेकिन क्या जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होगी, जिससे इसमें शामिल ताकतवर हितधारकों के बावजूद सच्चाई का पता चल सकेगा? एक और सवाल सामने आता है : क्या हमारे सिस्टम में समयबद्ध तरीके से प्रमुख व्यक्तियों पर जिम्मेदारी तय करने के लिए कोई जवाबदेही है भी? जून महीने में ही हुए हादसों की श्रृंखला पर एक नजर डाल लें,

जिसके समाप्त होने में अभी भी दस दिन से अधिक शेष हैं : 4 जून : आईपीएल फाइनल के अगले ही दिन आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस द्वारा आवश्यक अनुमति न दिए जाने के बावजूद जल्दबाजी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधान सौधा और चिन्नास्वामी स्टेडियम में लगातार दो कार्यक्रम होने के कारण पुलिस बढ़ती भीड़ से परेशान हो गई। सार्वजनिक सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता पर एक निजी तौर पर संचालित होने वाली फ्रेंचाइजी की जीत के लिए सार्वजनिक तमाशे को प्राथमिकता दी गई। जिम्मेदारी स्वीकारने के बजाय कर्नाटक में गुटबाजी से ग्रस्त कांग्रेस सरकार ने अपनी गलती से पल्ला झाड़ लिया। बेंगलुरु के शीर्ष पुलिस अधिकारी को तो निलंबित कर दिया गया, लेकिन स्टार खिलाड़ियों के साथ खुशी-खुशी फोटो खिंचवाने वाले किसी भी राजनेता को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। 9 जून : मुंबई के पास मुंब्रा में एक रेल दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। यात्री भीड़भाड़ वाली ट्रेनों के फुटबोर्ड पर खड़े होने के कारण पटरियों पर गिर गए। मुंब्रा ट्रैक पर एक तीखे मोड़ ने इसे और भी खतरनाक बना दिया। जहां सेंट्रल रेलवे की एक समिति इस घटना की जांच कर रही है, वहीं मुंबई जैसे महानगर में अव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। क्या उपनगरीय रेल प्रणाली उपेक्षा की शिकार है? 15 जून : उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर से गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरने वाले एक हेलिकॉप्टर के जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सात लोगों की मौत हो गई। चिंताजनक बात यह है कि इस क्षेत्र में बीते छह हफ्तों में यह पांचवीं ऐसी घटना थी, जिसने पहाड़ों में खराब मौसम में हेलिकॉप्टर सेवाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मानक संचालन प्रक्रिया लागू करने का वादा किया है, जबकि डीजीसीए ने अतिरिक्त निगरानी का आश्वासन दिया है। लेकिन एक बार फिर यह बहुत देरी से बहुत कम कार्रवाई का मामला है। अगर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने का कोई ओलिम्पिक होता तो हमारे हुक्मरानों को ही उसका स्वर्ण पदक मिलता! 16 जून : भारी बारिश के बीच अत्यधिक भीड़ के कारण पुणे के पास एक पुल ढह गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 30 साल पुराने इस पुल को असुरक्षित माना गया था, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा कई सालों से शिकायत करने के बावजूद नए पुल के निर्माण के लिए कार्य-आदेश में देरी की गई और पुल के ढहने से केवल पांच दिन पहले ही इसे कथित तौर पर जारी किया गया। पिछले साल एक नए पुल के लिए 8 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई थी, लेकिन लालफीताशाही के चलते काम शुरू होने में देरी होती रही। पुनश्च : कुछ दिन पहले ही बीबीसी की एक जांच रिपोर्ट ने इस साल जनवरी में महाकुंभ में हुई भगदड़ की सच्चाई को उजागर किया था। यूपी सरकार ने दावा किया था कि 37 लोग मारे गए हैं, जबकि बीबीसी की जांच में पाया गया कि यह संख्या कम से कम 82 थी। अगर हम मौतों के बारे में झूठ बोलते हैं, तो क्या हम इंसानी जान की कीमत समझते भी हैं? 'चलता है' के रवैए में सुरक्षा मानकों पर कौन ध्यान दे... हर त्रासदी का पैटर्न है। 'चलता है' के रवैए से सुरक्षा मानकों पर कम ध्यान दिया जाता है। राजनीतिक दिखावे को प्राथमिकता दी जाती है। अधिक तेज ट्रेनें, अधिक हवाई अड्डे, अधिक पर्यटन स्थल, अधिक इवेंट्स, लेकिन बंदोबस्त लचर। (ये लेखक के अपने विचार हैं)
'राजदीप सरदेसाई '

वो 3 राजकुमारी जो कर सकती हैं ईरान पर राज, कोई सोशल मीडिया स्टार तो किसी ने ईसाई बिजनेसमैन से कर रखी है शादी

नयी दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च

नेता अयातुल्ला खामेनेई के शासन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. इजराइल से जंग के बीच अगर खामेनेई की सत्ता जाती है तो इस मुस्लिम मुल्क पर किसका राज होगा, ये सबसे बड़ा सवाल है. इस रेस में रेजा पहलवी की तीन बेटियां सबसे आगे हैं. कौन हैं.इजराइल से जंग के बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की सत्ता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. अमेरिका और इजराइल खामेनेई को हटाने पर आतुर हैं. खामेनेई के परिवार में भी उनके खिलाफ आवाज उठ रही है. फ्रांस में रह रहे खामेनेई के निर्वासित भतीजे महमूद मोरदखानी ने कहा है कि वह जंग के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन उनका मानना है कि इस्लामिक गणराज्य का अंत ही असली शांति का रास्ता है. सिर्फ मोरदखानी ही नहीं ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे रेजा पहलवी ने भी ईरान में शासन बदलाव की अपील की है. उन्होंने कहा कि खामेनेई अंडरग्राउंड हो गए हैं और इस्लामिक गणराज्य अपने अंत की तरफ है.ईरान में अगर खामेनेई के शासन का अंत होता है तो सत्ता रेजा पहलवी की बेटियों के हाथ में जा सकती है. रेजा पहलवी को 1967 में आधिकारिक तौर पर क्राउन प्रिंस नामित किया गया था. 1978 में 17 साल की उम्र में जेट फाइटर की ट्रेनिंग के

और समर्थक रहे हैं. पहलवी देश के अंदर और बाहर विपक्षी समूहों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखते हैं. 1979 से वह निर्वासन में रह रहे हैं. उन्होंने 12 जून 1986 को यास्मीन एतेमाद-अमिनी से विवाह किया, जिससे उनकी तीन बेटियां हैं.नूर पहलवी, इमान पहलवी और फराह पहलवी. नूर 33 साल, इमान 32 साल और फराह 21 साल की हैं. रेजा पहलवी पुरुषों और महिलाओं के बीच समान अधिकारों में विश्वास करते हैं. उनकी बेटियां ही उनकी उत्तराधिकारी हैं, वह इसका भी ऐलान कर चुके हैं.पहले बात करते हैं रेजा की बड़ी बेटी नूर की. उनका जन्म अमेरिका के वाशिंगटन में हुआ. उन्होंने 2010 में पोटोमैक, मैरीलैंड में द बुलिस स्कूल से हाई स्कूल की डिग्री हासिल की. इसके बाद नूर ने 2014 में वाशिंगटन, डीसी में जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में बी.ए. की डिग्री ली.नूर पहलवी वर्तमान में न्यूयॉर्क में रहती हैं. Linkedin के मुताबिक, नूर ने इसके बाद 2020 में कोलंबिया बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री हासिल की. वह न्यूयॉर्क में Sofreh Capital में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं. अप्रैल, 2025 से वह इस कंपनी में काम कर रही हैं.नूर सोशल मीडिया स्टार भी हैं. वह इंस्टाग्राम पर बेहद एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैंनूर

के बाद दूसरे नंबर पर इमान पहलवी हैं. उनका जन्म 12 सितंबर, 1993 को हुआ. इमान पहलवी वर्तमान में न्यूयॉर्क शहर में अमेरिकन एक्सप्रेस के लिए काम करती हैं. वह हाल में शादी के बंधन में बंधी हैं. उन्होंने इसी महीने अमेरिका के बिजनेसमैन ब्रैडली शेरमेन से शादी की.पेरिस में शादी से पहले दोनों चार साल एक दूसरे को डेट किए. इमान ने अगस्त 2023 में शेरमन के साथ अपनी सगाई की घोषणा की थी. दोनों की पहली मुलाकात 2017 में एक दोस्त के जरिए हुई थी. शेरमेन यहूदी परिवार से आते हैं.रेजा पहलवी की तीसरी और सबसे छोटी बेटी का नाम फराह पहलवी-2 है. फराह पहलवी का जन्म 17 जनवरी 2004 को वाशिंगटन में हुआ था. वह 21 साल की हैं।

जुलाई में मचेगी तबाही, शुरू हो गया काउंटडाउन? बाबा वेंगा की नई भविष्यवाणी से दुनिया में खौफ!

नयी दिल्ली। जुलाई 2025 आपदा आने वाली है, जिसमें देखने वाली बताती हैं. बताया

आने से पहले ही जापान समेत पूरी दुनिया में एक अजीब-सा डर पसर गया है. इसकी वजह हैं एक रहस्यमयी जापानी मंगा कलाकार रयो तत्सुकी, जिनकी किताब 'द फ्यूचर आई सॉव' में की गई चौंकाने वाली भविष्यवाणी ने इन दिनों पूरी दुनिया में बवाल मचाया हुआ है. लोग रयो तत्सुकी को अब नई 'बाबा वेंगा' (मशहूर बल्गेरियाई भविष्यवक्ता) कहने लगे हैं. क्योंकि, मंगा कलाकार की कई पुरानी भविष्यवाणियां सच हो चुकी हैं. उनकी किताब में किए दावे की मानें, तो अगले महीने 5 जुलाई को जापान में एक भयानक सुनामी की लहरें तीन गुना अधिक ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं! जापानी मंगा कलाकार की इस डरा देने वाली भविष्यवाणी ने सोशल मीडिया पर भयंकर बवाल काट रखा है. लाखों लोग इसे लेकर टेंशन में हैं, और लगातार इस पर पोस्ट और वीडियो शेयर कर रहे हैं. कोई सुनामी की आशंका जता रहा है, तो कोई कह रहा है कि महाप्रलय आने वाली है, जिसकी जड़ें जापान और फिलीपींस के बीच समुद्र के भीतर किसी रहस्यमयी दरार से जुड़ी हो सकती हैं.रयो तत्सुकी खुद को बुरे सपनों के जरिए भविष्य जाता है कि उन्होंने अपनी किताब 'द फ्यूचर आई साउ' में जिन घटनाओं का जिक्र किया है, उनमें से कई सच साबित हुई हैं. सबसे ज्यादा चर्चा उनकी 1999 में की गई उस भविष्यवाणी की होती है, जो मार्च 2011 को जापान में आए शक्तिशाली भूकंप और सुनामी से काफी मिलती-जुलती थी. इस प्राकृतिक आपदा ने जापान को हिलाकर रख दिया था.अब 5 जुलाई को लेकर की गई उनकी भविष्वाणी ने लोगों में खौफ पैदा कर दिया है. हालांकि, रयो तत्सुकी ने अपनी किताब में साफ-साफ नहीं बताया है कि आखिर ये आपदा क्या होगी, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे शक्तिशाली भूकंप और सुनामी मान लिया है, जो महाप्रलय का कारण बनेंगे.डरा देने वाली इस भविष्यवाणी का असर ये हुआ है कि पर्यटकों ने जापान से किनारा कर लिया है. ब्लूमबर्ग इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के लिए जून के आखिर और जुलाई की शुरुआत में फ्लाइट बुकिंग में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है.हांगकांग की एक ट्रैवल एजेंसी का कहना है कि ऐसा लगता है कि टूरिस्ट डर के मारे जापान का नाम तक नहीं लेना नहीं चाहते! एजेंसी का कहना है कि अप्रैल-मई के स्प्रिंग ब्रेक में भी जापान की बुकिंग में 50 फीसदी तक गिरावट आई थी. वहीं, कई लोगों ने अपनी गर्मियों की छुट्टियों की प्लानिंग तक कैंसल कर दी है.उधर, जापान ने इन भविष्यवाणियों को पूरी तरह से बकवास करार दिया है. मियागी प्रांत के गवर्नर योशिहिरो मुराई ने कहा, अफवाहों पर ध्यान न दें, बिंदास होकर जापान आएं. ऐसी अफवाहें पर्यटन को प्रभावित करती हैं. डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जापानी देश छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं.

बाघ के बदले कर्नाटक से लाए थे किंग कोबरा, ढाई महीने में हो गई मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल इसके लिए मैंगलोर के एक्सपर्ट से

में वन विहार नेशनल पार्क में एक किंग कोबरा की बुधवार को मौत हो गई, जिसे कर्नाटक के पिलिकुला बायोलॉजिकल पार्क से हाल ही में लाया गया था. मैंगलोर से दो किंग कोबरा को दो बाघ के बदले में लेकर आए थे, जो वहां के पार्क में सही सलमात हैं. लेकिन यहां एक किंग कोबरा की मौत हो गई. मध्य प्रदेश के भोपाल में स्थित वन विहार नेशनल पार्क में बुधवार को किंग कोबरा नागार्जुन की मौत हो गई. यह एक दुर्लभ प्रजाति का सांप था, जिसे लगभग ढाई महीने पहले कर्नाटक के पिलिकुला बायोलॉजिकल पार्क, मैंगलोर से वन्य प्राणी आदान-प्रदान योजना के तहत भोपाल लाया गया था. नागार्जुन की उम्र करीब पांच साल थी और उसे वन विहार में खास निगरानी में रखा गया था.वन विहार प्रबंधन ने बताया कि बुधवार सुबह सीसीटीवी फुटेज में कोबरा की कोई गतिविधि नजर नहीं आई. ऐसे में शक होने पर डॉक्टरों की टीम ने बाड़े में जाकर उसकी स्थिति की जांच की, जहां उसे मृत पाया गया. मौत के बाद वाइल्ड लाइफ डॉक्टर की टीम ने उसका पोस्टमार्टम किया. सांप की मौत कैसे हुई और किन वजहों से हुई. इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा.वन विहार प्रशासन के मुताबिक, नागार्जुन की सेहत पर विशेष ध्यान दिया जा रहा था. भी कॉन्टेक्ट में रहकर लगातार उसकी एक्टिविटी का मूल्यांकन किया जाता रहा था. मंगलवार शाम तक भी उसकी हालत सामान्य बताई गई थी. लेकिन बुधवार को अचानक सांप ने एक्टिविटी बंद कर दी. जब चेक किया गया तो सांप की मौत हो चुकी थी.6 अप्रैल को कर्नाटक से दो नर किंग कोबरा आठ वर्षीय नागशयना और पांच वर्षीय नागार्जुन को भोपाल लाया गया था. दोनों को बहुत ज्यादा संवेदनशील प्रजातियों में गिना जाता है. इसलिए सांप को लाने के बाद से ही उनकी 24 घंटे निगरानी की जा रही थी. वन विहार प्रबंधन और पशु चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कोबरा की मौत की असली वजह सामने आ पाएगी.हाल ही में किंग कोबरा को वन विहार नेशनल पार्क यहां लाया गया था. लेकिन इसकी कुछ ही समय में मौत हो गई. बाघ द पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत कर्नाटक के पिलिकुला जैविक उद्यान से दो किंग कोबरा को भोपाल लाया गया था. दो बाघों के बदले में जहरीले सांप लाए गए थे, जिनमें से एक की मौत हो गई. अब मध्य प्रदेश में सिर्फ एक किंग कोबरा बचा है, जो इंदौर में है. सांपों को लाने के बाद, वन्यजीव अधिकारियों ने वन विहार में एक्स-सीटू संरक्षण और प्रजनन शुरू करने की योजना बनाई थी.

मां-बाप और फुफेरी बहन ने पकड़े हाथ-पैर...भाई ने दबाया गला, फिर यहां जलाया शव

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने

आया है। प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी युवती की परिवार ने हत्या कर दी। इसके बाद लाश को जला दिया। परिवार ने युवती की अस्थियां भी विसर्जित कर दीं। प्रेमी ने जब मामले की जानकारी पुलिस को दी तो खुलासा हुआ। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी मां-बाप को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मृतक का भाई और फुफेरी बहन फरार हैं। वो भी हत्याकांड में शामिल हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। दरअसस, बागपत के बड़ौत के लुहारी गांव में पड़ोस में रहने वाले प्रेमी अंकित से शादी की जिद पर अड़ी शिवानी (21) की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मां-बाप, भाई और फुफेरी बहन ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। शिवानी का मर्डर करने के बाद आरोपी काफी समय तक शव के पास बैठे रहे। इसके बाद रात में ही शव को यमुना किनारे ले जाकर जला दिया। फिर अस्थियां और राख यमुना में विसर्जित कर दीं। बुधवार की सुबह प्रेमी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने शिवानी के पिता संजीव और मां बबीता को गिरफ्तार कर मामले की जांच की, तो पूरा मामला खुलता चला गया।लुहारी गांव निवासी अंकित प्रजापति ने बताया कि पड़ोस की शिवानी कश्यप के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था और दोनों पिछले डेढ़ साल से शादी करना चाहते थे। कुछ दिन पहले शिवानी के परिजनों को उनके प्रेम प्रसंग के बारे में पता चल गया तो उन्होंने शिवानी का घर से निकलना बंद कर दिया।अंकित का आरोप है कि परिवार के लोग शिवानी की पिटाई करने लगे, लेकिन शिवानी

शादी की जिद पर अड़ी रही। मंगलवार रात परिवार वालों ने घर में शिवानी की हत्या कर दी। बुधवार की सुबह शिवानी का मोबाइल बंद मिलने पर अंकित ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार चारों आरोपियों ने मिलकर शिवानी की हत्या की। पिता संजीव, मां बबीता और फुफेरी बहन ने शिवानी के हाथ-पैर पकड़े और भाई रवि ने अपने हाथों से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद करीब एक घंटे तक चारों शव के पास बैठे रहे और बाद में मामला दबाने के लिए शव को यमुना किनारे लेकर चले गए।आरोपी संजीव ने बताया कि मृतका शिवानी और अंकित के बीच काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इस बारे में करीब डेढ़ साल पहले गांव के काफी लोगों को पता चल गया था। शिवानी के परिवार वालों पर रास्ते में गांव के लोग तंज कसते रहते थे।बड़ौत के लुहारी गांव में शिवानी की हत्या के बाद उसके प्रेमी अंकित को अपनी हत्या होने का डर सताने लगा है। अंकित ने बुधवार शाम को अपना वीडियो जारी कर खतरा जताया। अंकित ने बताया कि शिवानी के परिवार वाले उसकी भी हत्या कर सकते हैं। अगर उसके साथ कोई घटना होती है तो इसके जिम्मेदार शिवानी के परिवार वाले होंगे। अंकित ने बताया कि कई साल से दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। शिवानी को अपनी हत्या होने का खतरा सताने लगा था, इसके लिए शिवानी ने पहले बताया भी था।पुलिस ने मृतका के पिता संजीव उर्फ संजू और मां बबीता से पूछताछ की तो उन्होंने हत्या कर शव जलाने की जानकारी दी। इसमें शिवानी के प्रेमी अंकित ने मृतका के पिता संजीव उर्फ संजू, मां बबीता, भाई रवि व बुआ की बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।बताया गया कि मृतका और उसका प्रेमी दोनों की जाति अलग-अलग है और उनके मकानों में दो मकान ही बीच में हैं। शिवानी दसवीं तक पढ़ाई कर चुकी है और अंकित मजदूरी करता है। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि मृतका के पिता और मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

क्यों ईरान के भूमिगत परमाणु ठिकानों को छू नहीं सका इस्राइल, तबाही के लिए यूएस से कौन सा हथियार मांगा?

नयी दिल्ली। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष अब अपने चरम

पर है। इस बीच दोनों देशों के बीच जंग छिड़ने के आसार नजर आने लगे हैं। दरअसल, इस्राइल ने ईरान में परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने के साथ उसके सैन्य अधिकारियों पर भी हमले किए हैं। इसमें ईरान के सेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख के साथ ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के प्रमुख की भी जान गई है। दूसरी तरफ ईरान ने भी इस्राइल पर ड्रोन्स और बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए जबरदस्त हमला बोला है और उसके कई अहम ठिकानों को तबाह किया है। इस पूरे संघर्ष में अब अमेरिका के जुड़ने के भी आसार लगाए जा रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन अब संघर्षविराम के लिए नहीं, बल्कि अंत के लिए काम कर रहा है।इस्राइल ने शुक्रवार (13 जून) को जब ईरान पर हमले शुरू किए थे, तब उसने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- नतांज, फोरडाओ और इशाफान स्थित परमाणु परिसर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। इनमें अब तक जो सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें नतांज में जमीन से ऊपर बने कुछ ठिकानों को नुकसान की पुष्टि हुई है। हालांकि, अंडरग्राउंड ठिकाने सुरक्षित बताए गए हैं। वहीं, फोरडाओ में कोई नुकसान की खबर नहीं आई। इशफान को कुछ नुकसान की बात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक, उसे फिलहाल ईरान में कहीं रेडिएशन फैलने के सबूत नहीं मिले हैं। हालांकि, उसने निगरानी जारी रखी है। दूसरी तरफ ईरान के परमाणु ठिकानों, जिनमें फोरडाओ प्रमुख है, उसे नुकसान न पहुंचने की खबरों के बाद इस्राइल ने अमेरिका से मदद मांगी है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस्राइल ने अमेरिका से एक खास हथियार- 'बंकर बस्टर बम' भेजने की मांग की है। माना जा रहा है कि अमेरिका इस बम को सीधे तौर पर इस्राइल को देने की जगह ईरान पर खुद इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। आईएईए के प्रमुख राफेल ग्रोसी के मुताबिक नतांज में ईरान अपने यूरेनियम के संवर्धन का मुख्य काम करता है। यहां इस्राइल के हमले में जमीन के ऊपर बनी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, जमीन के नीचे बने परमाणु केंद्रों पर निशाना नहीं लगा है। ग्रोसी के मुताबिक, संवर्धन प्लांट के पास अंडरग्राउंड बने हॉल पर किसी तरह के हमले की बात भी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि इस्राइल की सेना ने शुक्रवार को अपने हमले के बाद कहा था कि ईरान के जमीन के नीचे के ठिकानों को भी उसके बमों से नुकसान हुआ है। ईरान के नतांज परमाणु केंद्र को बिजली मुहैया कराने वाले कुछ सबस्टेशनों को जरूर नुकसान हुआ है। बताया जाता है कि नतांज में दो परमाणु केंद्र हैं। इनमें मुख्य साइट पर संवर्धन प्लांट जमीन से 40 फीट तक नीचे है। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि नतांज में इस केंद्र को तबाह करना आसान नहीं है और इस्राइल की सिर्फ 1.8 टन वाली रॉक्स मिसाइल और 1.6 टन वाली एयर लोरा मिसाइलों के एक के बाद एक कई वार ही नतांज को नुकसान पहुंचा सकते हैं।फोरडाओ ईरान का सबसे सुरक्षित परमाणु केंद्र है, जिसे पहाड़ों के बीच जमीन के कई मीटर अंदर बनाया गया है। अपनी लोकेशन की वजह से यह क्षेत्र काफी सुरक्षित है और इस पर सीधा हमला काफी मुश्किल और नुकसान न पहुंचाने वाला साबित हुआ है। आईएईए के ही मुताबिक, एक बड़े पहाड़ के 250 से 300 फीट नीचे मौजूद इस परमाणु केंद्र को बिल्कुल नुकसान नहीं दिख रहा। एजेंसी का कहना है कि ईरान इन्हीं दोनों परमाणु केंद्रों में 408.6 किलोग्राम यूरेनियम को 60 फीसदी तक संवर्धित कर चुका है और अगर संवर्धन जारी रहा तो उसके पास जल्द एक परमाणु बम होगा। इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी के विशेषज्ञ डेविड एल्ब्राइट के मुताबिक, फोरडाओ ईरान का सबसे ज्यादा सुरक्षित परमाणु ठिकाना है और अगर यह अकेले भी काम करता रहा, तो यह अगले साल के पहले महीने तक ही हथियार बनाने लायक यूरेनियम संवर्धन को अंजाम दे सकता है। इससे नौ परमाणु बम तैयार हो सकते हैं। बताया जाता है कि फोरडाओ परमाणु केंद्र इतना सुरक्षित है कि इस्राइल के पास मौजूद कोई भी हथियार इसे भेद नहीं सकता। माना जाता है कि इसे सिर्फ अमेरिका के जीबीयू 57/बी बंकर बस्टर बमों के जरिए तबाह किया जा सकता है। यह बम इतने भारी हैं कि इन्हें ले जाने के लिए बी-2 बॉम्बर विमान लगाने पड़ते हैं। फोरडओ के पारंपरिक हथियारों से सुरक्षित होने के चलते ही इस्राइल ने अमेरिका से उसका जीबीयू-57ए/बी ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर मांगा है। इसे ही बंकर ब्लास्टर बम कहा जाता है। यह अमेरिकी वायुसेना का सबसे ताकतवर गैर-परमाणु ताकत वाला बम कहा जाता है। यह बम इतना बड़ा है कि इसे सिर्फ अमेरिका के बी-2 बॉम्बर विमान से ही लॉन्च किया जा सकता है। चूंकि यह बम जीपीएस के जरिए किसी भी ठिकाने तक खुद पहुंचकर उसे नष्ट कर सकता है, इसलिए इसे काफी खतरनाक माना जाता है। यह बम जमीन के कई फीट नीचे भी अहम ठिकानों को खत्म कर सकता है। अमेरिका का यह बंकर बस्टर बम जमीन के कई फीट नीचे तक निशाने को तबाह करने में सक्षम है। हालांकि, इसका वजन ज्यादा होने की वजह से इसे सिर्फ बी-2 बॉम्बर विमान ही ले जा सकता है, जो कि अमेरिका के पास सिर्फ 19 ही बचे हैं। इस बम को इस्तेमाल करने में एक बड़ी समस्या यह है कि बी-2 बॉम्बर आधुनिक लड़ाकू विमानों के मुकाबले काफी बड़े और कम गति वाले हैं। ऐसे में इनकी पहचान कर इन्हें डॉगफाइट में धकेले जाने का खतरा भी पैदा हो सकता है।इन बमों की कम आपूर्ति भी अमेरिका के लिए बड़ी समस्या है। दरअसल, इन्हें बनाना मुश्किल है और 2015 तक बोइंग ऐसे 20 बम ही अमेरिकी वायुसेना को डिलीवर कर पाया था। इस दिक्कत के चलते ही अमेरिकी अधिकारी बंकर ब्लास्टर बम का निर्माण नहीं बढ़ा सके हैं। हालांकि, रूस, चीन और ईरान की तरफ से जमीन के कई फीट नीचे बंकर बनाने की वजह से अब अमेरिका इन बमों का उत्पादन बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।2023 में एक रिपोर्ट में सामने आया था कि ईरान का नतांज परमाणु केंद्र पहले ही हमले के खतरों को भांपते हुए जमीन के नीचे कई बड़े बदलाव कर चुका है। इससे इस केंद्र के अब अमेरिका के बंकर बस्टर बमों की पहुंच से भी दूर होने की संभावना पैदा हो गई है। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि इस्राइल अगर अमेरिका से इन बमों को पा भी जाता है तो वह ईरान को कितना नुकसान पहुंचा पाएगा।

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी, पेट संबंधी बीमारी से थी ग्रस्त; लेने पहुंचे राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस संसदीय

दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके बेटे और लोकसभा नेता राहुल गांधी उन्हें लेने अस्पताल पहुंचे। उन्हें पेट से जुड़ी समस्या के चलते 15 जून 2025 को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट में संक्रमण के कारण 15 जून को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 78 वर्षीय नेता की हालत अब स्थिर है और उन्हें छुट्टी दे दी गई है। उनके बेटे और लोकसभा नेता राहुल गांधी उन्हें लेने अस्पताल पहुंचे।अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि उनका उपचार अब बाह्य रोगी (आउटपेशेंट) के आधार पर जारी रहेगा। उनकी देखभाल कर रहे वरिष्ठ चिकित्सकों, डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव ने कहा कि दवाओं से उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ है। अस्पताल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, 'सोनिया गांधी को पेट में संक्रमण के कारण गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया था। उनकी हालत में सुधार हुआ है और अब उनकी बारीकी से निगरानी बाह्य रोगी के रूप में की जाएगी।'

लालू के बेटे तेज प्रताप यादव की हुंकार- मेरी भूमिका कोई दल या परिवार नहीं तय करेगा, चक्रव्यूह तोडूंगा

पटना। तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट की भी एक बार फिर राजनीतिक महकमे में काफी चर्चा होगी। वजह यह है कि तेज प्रताप यादव ने इस पोस्ट में चेतावनी भरे शब्दों का प्रयोग किया है। उन्होंने लिखा है कि 'मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल करने वालो,ये मत समझना कि मुझे तुम्हारी साजिशों का पता नही,शुरुआत तुमने किया है अंत मैं करूंगा,झूठ और फरेब के बनाये इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहा हूं, तैयार रहना सच सामने आने वाला है,मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय तय करेगा ,कोई दल या परिवार नहीं,पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें तेज प्रताप यादव के एक लड़की अनुष्का के साथ रिलेशन में होने का दावा किया गया था। उस पोस्ट में यह भी दावा किया गया था कि वह दोनों एक-दूसरे को 12 साल से जानते हैं। तेज प्रताप यादव के इस पोस्ट ने ऐसा तूफ़ान लाया, जिसमें लालू प्रसाद यादव ने तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल पार्टी से छह साल के लिए निलंबित कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने उन्हें घर और परिवार से भी बेदखल कर दिया।लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं हैं। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

यूपी में पांच जिंदा जलेः रफ्तार ने छीनी खुशियां

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर जिले में हुए कार हादसे का सही कारण अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सका है लेकिन पुलिस की प्रारंभिक जांच, सीसीटीवी और प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हादसा तेज स्पीड और चालक को झपकी आने के कारण होना सामने आ रहा है। सहसवान के गांव चमरपुरा से घटनास्थल की दूरी करीब 85 किलोमीटर से अधिक है, जिसे तंजील ने करीब डेढ़ घंटे में ही पूरा कर लिया था। हाइवे पर लगे कुछ सीसीटीवी कैमरों में भी कार तेज रफ्तार से दौड़ती नजर आ रही है। इसलिए तेज रफ्तार और झपकी को हादसे का कारण माना जा रहा है।पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि देर रात तक जगने के बाद सुबह करीब चार बजे तंजील ने सभी को उठाया और दिल्ली चलने के लिए कार में बैठा लिया था। गांव से दिल्ली मालवीय नगर की दूरी करीब 190 किलोमीटर है और सफर भी करीब साढ़े चार से पांच घंटे का है। गांव से जहांगीराबाद स्थित घटनास्थल की दूरी करीब 85 किमी है। यदि गूगल मैप पर ही इस सफर का अनुमानित समय देखें तो वह लगभग दो घंटे का है।

फिल्म 'रेडी' में जेनेलिया को नहीं लिए जाने पर आया रिएक्शन, सुनकर खुश हो जाएंगे भाईजान

नयी दिल्ली। सलमान खान और असिन की फिल्म 'रेडी' को

दोनों के करियर की सबसे अच्छी फिल्मों में से एक गिना जाता है। हालांकि कम ही लोगों को पता है कि यह फिल्म तमिल फिल्म 'रेडी' की रीमेक थी। इस फिल्म में राम पोथिनेनी और जेनेलिया डिसूज़ा अहम किरदार में थे। हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'रेडी' में जेनेलिया डिसूज़ा को नहीं लिए जाने पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है।जेनेलिया डिसूज़ा से सिद्धार्थ कान्नन ने पूछा कि क्या सलमान खान की फिल्म 'रेडी' में नहीं लिए जाने पर आपको बुरा लगा? इस पर अभिनेत्री ने कहा 'नहीं, अगर मुझे इसमें काम मिलता तो मुझे बहुत अच्छा लगता, यह वहां मेरी फिल्म थी। हो सकता है कि सलमान खान के साथ मेरी दूसरी फिल्म हो। आप नहीं जानते।' जेनेलिया का ये रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।आपको बता दें साल 2008 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म 'रेडी' एक्शन कॉमेडी फिल्म थी। इसे श्रीनू वैतला ने निर्देशित किया था। फिल्म के निर्माता श्रवंथी रवि किशोर थे। फिल्म में राम पोथिनेनी और जेनेलिया डिसूज़ा के अलावा नस्सर, ब्रह्मानन्दम, सुनील, कोटा श्रीनिवास राव और जया प्रकाश रेड्डी जैसे कलाकार थे। तेलुगु की 'रेडी' फिल्म ब्लॉकबस्टर थी। साल 2008 में यह फिल्म तेलुगु सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। यह एक कल्ट फैमिली एंटरटेनर फिल्म है। फिल्म की कॉमेडी और इसकी कहानी को पसंद किया गया। बाद में इस फिल्म को हिंदी में बनाया गया जिसमें सलमान खान और असिन ने अहम किरदार निभाया।अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी सलमान खान की 'रेडी' 3 जून 2011 को रिलीज हुई। इस फिल्म में एक्शन, कॉमेडी, पारिवारिक ड्रामा और बेहतरीन गाने हैं। इस फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 186.02 करोड़ रुपये कमाए थे।

'हमें नहीं पता हमारे पास कितना समय है', रश्मिका ने सिंपल लुक से जीता दिल,लिखा भावुक नोट

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर साड़ी के अलावा एक और क्यूट लुक शेयर किया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इन तस्वीरों के साथ रश्मिका ने एक इमोशनल नोट लिखा है, जिसे पढ़कर फैंस भी भावुक हो गए हैं।रश्मिका मंदाना ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'आप लोगों के आस-पास होने से ही मुझे खुशी मिलती है। मुझे पता है कि मैं यहां खुद को दोहरा रहा हूं, लेकिन जैसा कि मैंने उस दिन कहा था.. 'हमें नहीं पता कि हमारे पास और कितना समय है, समय नाजुक है, हम नाजुक हैं, भविष्य अप्रत्याशित है.. इसलिए कृपया एक-दूसरे के प्रति दयालु रहें, अपने प्रति दयालु रहें.. और उन चीजों को करें जो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, उन चीजों को करें जो वास्तव में मायने रखती हैं।'रश्मिका की इस पोस्ट पर फैंस ने भी प्रतिक्रिया दी। एक फैन ने लिखा, 'बहुत प्यारा', एक और फैन ने लिखा, 'क्रश्मिका', एक और फैन ने लिखा, 'आपने तो बस लुक को रोशन कर दिया क्ष्र्व्ली के लिए शुभकामनाएं' एक और फैन ने लिखा, 'सर्वकालिक पसंदीदा श्रीवल्ली', एक और फैन ने लिखा, 'सुंदर', एक और फैन ने लिखा, 'आपके आस-पास रहना हमें खुश करता है', एक और फैन ने लिखा, 'गुलाब रूप, सुंदर महिला'रश्मिका मंदाना इन दिनों फिल्म 'कुबेर' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ स्टार नागार्जुन और धनुष नजर आएंगे। यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

ड्रेस को लेकर ट्रोल किए जाने से जरीन खान पर भड़क गईं ये एक्ट्रेस बोलीं- 'अगर इतने एक्सप्रेशनष्ठ'

नयी दिल्ली। स्प्लिट्सविला पादुकोण के बाद उनका ही नाम

सीजन 10 फेम खुशी मुखर्जी अपने बोल्ड लुक के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने मॉडर्न बोल्ड आउटफिट पहना था, जिसके कारण उन्हें ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था। इसी कड़ी में अभिनेत्री जरीन खान ने भी खुशी के ड्रेस पर व्यंग्य किया था। अब खुशी मुखर्जी ने अभिनेत्री को जवाब देते हुए उनपर करारा हमला बोला है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।खुशी मुखर्जी हाल ही में फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में शामिल हुईं। उन्होंने वहां जरीन खान द्वारा खुद पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने अपना डेब्यू सलमान खान के साथ किया था। वह बहुत भाग्यशाली थीं कि उन्हें इतना बड़ा ब्रेक मिला। हालांकि, वो अपनी फिल्मों में इतना ज्यादा एक्सप्रेशन दे देती या वॉयस मॉड्यूलेशन कर लेती, जितना वो अब रील्स पर कर रही हैं, तो शायद दीपिका पादुकोण के बाद उनका ही नाम होता।'हाल ही में खुशी मुखर्जी ने बोल्ड गोल्डन आउटफिट पहना था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस पर अभिनेत्री जरीन खान ने उनके ड्रेस पर व्यंग्य करते हुए कहा, 'अगर छुपाना है, तो इतनी छोटी ड्रेस क्यों पहनी? और अगर दिखाना हैं तो खींच-खींच कर छुपा क्यों रही हैं। यह बहुत ही कन्फ्यूज करने वाला है।'अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'वीर', जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आईं थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म को मिल गई हीरोइन, पहले इस फिल्म में दिखा चुकी हैं जलवे

नयी दिल्ली। सलमान खान

जल्द ही गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह कर्नल बनेंगे। फिल्म के लिए अभिनेत्री भी मिल गई है। आइए जानते हैं वह कौन हैं।हाल ही में सलमान खान 'सिकंदर' फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है।इंडिया टुडे की एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह 'देसी ब्यॉज' और 'गब्बर इज बैक' के गाने 'आओ राजा' में नजर आईं थीं।सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास 'इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3' पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था। उनका नाम संतोष बाबू है और वह 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे।पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

सावन से पहले परदे पर बरसा माधवन का मेघ, मोहित चौहान के सुरों पर आपका दिल भी झूम उठेगा

नयी दिल्ली। 'यह गाना मेरे दिल के बेहद करीब है। यह सिर्फ़ सुनने का नहीं, महसूस करने का गाना है।

मोहित की आवाज में एक सच्चाई है, एक जादू है, जो खत्म होने के बाद भी मन में गूंजता रहती है। रोचक, मोहित, धर्माटिक और नेटफ्लिक्स को इस अमर गीत के लिए मेरा आभार।' ये शब्द हैं उन अभिनेता आर माधवन के, जिन्हें हिंदी सिनेमा में बीते 25 साल से एक अलग तरह की मोहब्बत का मुजाहिरा करने के लिए पहचाना जाता है। उनका प्यार राहुल वाला भड़कीला प्यार नहीं है, उनका प्यार है मैडी वाला, जो माधव शास्त्री के दिल से लेकर आज भी मोहब्बत करने वालों के दिलों में वैसा ही है।ये तो आपको पता ही होगा कि नेटफ्लिक्स की एक नई पिक्चर आ रही है, 'आप जैसा कोई'। इसका पहला गाना 'जब तू सजन' बुधवार को दिन में रिलीज हुआ और शाम होते होते ये गाना माधवन, मैडी और मोहित चौहान की एम सीरीज सा बजता हुआ लोगों की पसंद का पहला गाना बन चुका है। सिर्फ नौ घंटे में इसे तीन लाख के करीब व्यूज मिल चुके हैं। और इसकी इकलौती वजह ये है कि ये गाना बारिश के मौसम में दिल को छू जाने वाला एक सुकून भरा नगमा साबित हो रहा है। आर माधवन और फातिमा सना शेख की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म 'आप जैसा कोई' के इस गुरप्रीत सोनी के लिखे इस पहले गाने 'जब तू सजन' को मोहित चौहान ने गाया। यह गाना उन नर्म, खामोश पलों की बात करता है जब प्यार शोर नहीं करता, बस धीरे-धीरे जिंदगी में उतर जाता है। माधवन की तरह ही फिल्म की हीरोइन फातिमा सना शेख भी इस गाने पर फिदा है। वह कहती हैं, 'जब मैंने पहली बार 'जब तू सजन' सुना, तो तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ। यह वही एहसास है जो फिल्म के रिश्ते में धीरे-धीरे पनपता है।'मोहित चौहान आम तौर पर अपने गानों के बारे में ज्यादा कुछ कहते नहीं हैं, लेकिन इस गाने ने उनके मन के तार भी झंकृत कर दिए हैं। मोहित कहते हैं, 'यह गाना प्रेम का शोर मचाकर इजहार करने वाला गाना नहीं है। यह उस प्यार के बारे में है जो पहले से आपके भीतर मौजूद होता है। जब मैंने इसकी धुन और बोल सुने, तो महसूस हुआ कि इसमें एक गहराई है, एक ठहराव है। माधवन के लिए गाना हमेशा खास होता है, और मुझे उम्मीद है कि यह गीत दर्शकों के दिलों में जगह बनाएगा।'जब तू सजन' के संगीतकार रोचक कोहली के मुताबिक इस बार उनकी टीम कुछ ऐसा बनाना चाहती थी जिसके बोल कानों में पड़ते ही मिश्री सी घुले और इसकी मेलोडी लोगों को बारिश की पहली बूंद सी लगे। उनकी हां में हां मिलाते दिखे इस गाने के गीतकार गुरप्रीत सैनी जो इसे अपना एक निजी अनुभव बताते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने कोशिश की कि उस प्यार को पकड़ा जा सके जो दिखावा नहीं करता, बस धीरे-धीरे दिल में उतरता है। यह उन अनकहे पलों का जश्न है जो सच्चे रिश्तों को परिभाषित करते हैं।'

एडवर्ड क्रिस्टोफर शियरन का बॉलीवुड डेब्यू, शाहरुख खान की 'किंग' में हिंदी में 'सफायर' गाना, अरिजीत संग पंजाबी में भी है गाया

नयी दिल्ली। एडवर्ड क्रिस्टोफर शीरन। उर्फ एड शीरन। वो इंग्लिश

सिंगर-सॉन्ग राइटर हैं। वो अपने नए गाने 'सफायर' के लिए सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। इसमें अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है और शाहरुख खान स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए हैं। एड शीरन ने इस म्यूजिक वीडियो को इस साल की शुरुआत में भारत में अपने 'मैथमेटिक टूर' के दौरान शूट किया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने इंडिया में इस गाने की शूटिंग में तीन हफ्ते से ज्यादा का समय बिताया था, जोकि अब तक का उनका सबसे लंबा समय है। इस गाने के चर्चा में आने के कुछ दिनों बाद शीरन ने पुष्टि की है कि वो बॉलीवुड में अपना सिंगिंग करियर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि वो शाहरुख खान की एक फिल्म के लिए एक हिंदी गाने को अपनी आवाज देंगे।

काजल अग्रवाल का चेहरा क्यों बदला? एक्ट्रेस ने बताया- किस बात का था अपराधबोध, लोग बोले- तो सर्जरी करा ली?

नयी दिल्ली। साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग की चमक बिखेरने वाली 'सिंघम

गर्ल' काजल अग्रवाल आज 19 जून को अपना 40वां बर्थडे मना रही हैं। तेलुगू, तमिल और हिंदी सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग से लाखों दिलों पर राज करने वाली काजल न केवल साउथ बल्कि बॉलीवुड की भी 'सिंघम गर्ल' हैं।आज के समय में काजल की गिनती भले ही इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेस में की जाती है, मगर काजल ने साल 2004 में बॉलीवुड फिल्म 'क्यों! हो गया ना' में ऐश्वर्या राय की दोस्त का छोटा सा रोल निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड से शुरुआत करने के बावजूद उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका, लिहाजा उन्होंने साउथ सिनेमा की ओर रुख किया। साउथ सिनेमा से ही उन्हें असली पहचान मिली। 'रेडिट' पर एक काजल अग्रवाल का जर्नलिस्ट से बातचीत का एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें छोटी सी क्लिप है। इसमें काजल कहती हैं- शायद मैं एक अच्छी मां नहीं बन पा रही हूं, जिसपर बीच में उन्हें टोकते हुए पूछा गया कि क्या वह मां वाले गिल्ट के बारे में बात कर रहीं? इस पर, काजल ने इसे स्वीकार किया कहा कि उसी के कारण, उन्हें थेरेपी और एंटी-डिप्रेसेंट का एक छोटा कोर्स भी लेना पड़ा।इस बारे में और अधिक बातें करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत बड़ा 'mom's guilt' है, लेकिन मैंने इससे निपटने के लिए थेरेपी ली और एंटी डिप्रेसेंट का शॉर्ट कोर्स किया, जो भी सुरक्षित था और जो मैं कर सकती थी, मैंने किया। मुझे लगता है कि मेरे जीवन के इस फेज से मेरे लिए सबसे बड़ी सीख ये है कि मेरा दिल कितना बड़ा है और हम इंसान खासकर महिलाएं प्यार देने में कितनी सक्षम हैं। आप बेहद भाग्यशाली हैं कि आपके आस-पास माता-पिता हैं, तो इससे बढ़िया कुछ नहीं है।इसके अलावा, उसी बातचीत में काजल ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी स्थिति का सामना किया। एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय उनका साथ देने के लिए उनकी मां उनके साथ थीं। इसके अलावा, काजल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी मां के साथ अपने बच्चे को रखने के बाद उसकी सेफ्टी को लेकर निश्चिंत होकर वो काम पर जा सकती थीं।उन्होंने आगे कहा, 'मेरी मां पहले मेरे साथ थी। अब वह मेरे बच्चे के लिए वहां हैं और मैं अपने बच्चे को सेफली उनके पास छोड़ सकती हूं और यह विश्वास करते हुए बाहर जा सकती हूं कि ठीक है, उसकी देखभाल मुझसे बेहतर तरीके से की जाएगी। क्योंकि अपने दिल के एक हिस्से को अपने शरीर से बाहर छोड़ना आसान नहीं है। उस व्यक्ति को पीछे छोड़ना और कुछ भी करना आसान नहीं है लेकिन अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो आपको अपने पीछे सुरक्षित, भरोसेमंद देखभाल करने वालों की ज़रूरत है।'जैसे ही ये वीडियो इंटरनेट पर आया, लोग उनके बदले लुक को लेकर सवाल करने लगे। कई लोगों ने कहा कि उन्होंने सर्जरी कराई है और इस वजह से उनका क्यूट लुक बर्बाद हो गया। हालांकि, काजल ने ये नहीं बताया है कि ये बदला

हुआ लुक वेट लॉस की वजह से आया है या फिर एंटी डिप्रेसेंट्स की वजह से है जो उन्होंने पहले लिया।साल 2007 में तेलुगू फिल्म 'लक्ष्मी कल्याणम' से डेब्यू के बाद उसी साल 'चंदमामा' ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। उनकी सफलता में अहम रोल निभाया साल 2009 में आई 'मगधीरा' ने, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। राम चरण के साथ उनकी जोड़ी और 'राजकुमारी इंदु' के किरदार ने खूब वाहवाही बटोरी। यह फिल्म तेलुगू सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही।इसके बाद 'डार्लिंग', 'बृंदावनम', 'मिस्टर परफेक्ट', 'बिजनेसमैन', 'नायक', 'बादशाह', 'टेंपर' और 'कैदी नंबर 150' जैसी तेलुगू सफल फिल्मों ने उन्हें साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक बना दिया। तेलुगू के साथ ही काजल ने तमिल सिनेमा में भी खास मुकाम हासिल किया। 'नान महान अल्ला', 'थुप्पक्की', 'जिल्ला', 'विवेगम' और 'मेर्सल' जैसी फिल्मों ने उनकी एक्टिंग का लोहा मनवाया।साल 2004 के बाद काजल ने 2011 में 'सिंघम' के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी की। अजय देवगन के साथ उनकी केमिस्ट्री और 'काव्या भोसले' का किरदार दर्शकों को खूब भाया। बॉलीवुड में सफलता का सिलसिला थमा नहीं और साल 2013 में 'स्पेशल 26' के साथ यह आगे बढ़ा, जिसमें अक्षय कुमार के साथ उनकी परफॉर्मेंस को भी सराहा गया। हालांकि, बॉलीवुड में उनकी फिल्में कम रहीं, लेकिन हर रोल में उन्होंने अपनी शानदार छाप छोड़ी।19 जून, 1985 को मुंबई में जन्मीं काजल एक पंजाबी परिवार से हैं। उनके पिता विनय अग्रवाल, बिजनेसमैन हैं, जबकि उनकी मां सुमन अग्रवाल, उसी कंपनी में मैनेजर हैं। उनकी छोटी बहन निशा अग्रवाल भी साउथ सिनेमा में एक्टिव हैं। काजल ने मुंबई के सेंट ऐन्स हाई स्कूल और जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की, फिर

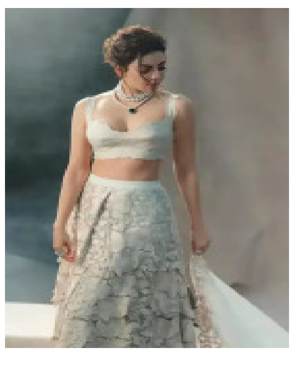

के.सी. कॉलेज से मास मीडिया में ग्रेजुएशन किया।30 अक्टूबर, 2020 को काजल ने मुंबई के बिजनेसमैन गौतम किचलू से शादी की थी। 2022 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने नील रखा है। काजल फिलहाल 'इंडियन 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनकी झोली में तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' भी है, जिसमें वह माता पार्वती देवी की भूमिका में हैं। फिल्म में अक्षय कुमार भी कैमियो करेंगे। इसके अलावा, 'उमा' और 'काजल कार्तिका' जैसी फिल्में भी उनके खाते में हैं।

परिणीति चोपड़ा के पति से इंस्पायर है 'छल कपट' का ये किरदार, अनुज बोले- उनकी संसद वाली स्पीच देखी

नयी दिल्ली। हाल ही में अनुज सचदेवा ने बताया कि उन्होंने शो 'छल कपट' में विक्रम शांडेल का किरदार निभाया है। यह किरदार आम आदमी पार्टी के नेता और परिणीति चोपड़ा के पति राघव चड्ढा से इंस्पायर है। इस किरदार के लिए अनुज ने राघव चड्ढा की स्पीच तक देखीं, जिससे उनके बोलने के अंदाज और ठहराव को पकड़ सकें। इस बातचीत में अनुज ने इंडस्ट्री में अपने एक्सपीरियंस, पॉलिटिक्स में दिलचस्पी और इंसानियत के मायने भी खुलकर बताए।शुरुआत में मुझे इस प्रोजेक्ट के बारे में थोड़ा-बहुत बताया गया था कि कहानी किस डायरेक्शन में जाएगी। लेकिन असली दिलचस्पी तब पैदा हुई जब मेरी मुलाकात हमारे प्रोड्यूसर समर खान जी से हुई। हम पहले एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'दुपट्टा किलर' के प्रीमियर पर मिले थे, जिसे उन्होंने प्रोड्यूस किया था। वहीं उन्होंने मुझे 'छल कपट' के बारे में बताया कि वो इस प्रोजेक्ट की शुरुआत करने जा रहे हैं। जब मुझे इस किरदार को लेकर डिटेल में बताया गया, तो मुझे लगा कि इसमें निभाने के लिए बहुत कुछ है। यह कोई सीधा-सादा किरदार नहीं है। इसमें कई रंग हैं, कुछ चौंकाने वाले मोड़ हैं और एक गहराई वाला ग्राफ है। मुझे लगा कि एक एक्टर के तौर पर यह मेरे लिए एक अच्छा मौका है कुछ अलग और चुनौती भरा करने का। इसलिए मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हां कर दी।सबसे पहले तो मैं ये कहना चाहूंगा कि हमारे डायरेक्टर अजय सर ने मुझे इस

रोल को अपने अंदाज में निभाने की पूरी छूट दी। अगर कहीं सुधार की जरूरत होती थी तो वो गाइड कर देते थे। जहां तक लुक और अंदाज की बात है, तो मुझे बताया गया था कि ये किरदार एक पॉलिटिशियन का बेटा है, नाम है विक्रम शांडेल। और ये रोल राघव चड्ढा से थोड़ा इंस्पायर है। मैंने उनका बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज सब कुछ थोड़ा बहुत देखा और समझा। खासकर उनकी संसद वाली स्पीच देखी ताकि किरदार में वो ठहराव और अंदाज आ सके। इस किरदार की सबसे बड़ी चुनौती ये थी कि मैं इसमें ज्यादा एक्सप्रेशन या गुस्सा नहीं दिखा सकता था। किरदार बाहर से बहुत शांत और सुलझा हुआ है। लेकिन अंदर से बहुत कुछ सोचता और प्लान करता है। तो मुझे सिर्फ बॉडी लैंग्वेज और डायलॉग के जरिए सारी चालाकी दिखानी थी। और यही थोड़ा मुश्किल भी था। इस किरदार से बहुत कुछ सीखने को भी मिला। जिस तरह राघव चड्ढा सादगी से अपनी बात रखते हैं, वैसा टोन लाने की कोशिश की।अनुज सचदेव ने इंडस्ट्री में मौजूद पॉलिटिक्स पर भी बात की। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री में कॉम्पिटिशन बहुत है। एक एक्टर होने के नाते हम सभी थोड़ा असुरक्षित महसूस करते हैं और ऐसे में कई बार दोस्ती की आड़ में भी लोग चालें चल जाते हैं। जब मैंने मुंबई में शुरुआत की थी, तब कुछ दोस्त थे जो अब बहुत बड़े नाम बन चुके हैं। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन उस समय हम साथ में ऑडिशन देते थे। कई बार ऐसा भी हुआ कि हम दोनों घर से निकले। मैंने पूछा, 'कहां जा रहे हो?' उन्होंने कहा, 'कहीं नहीं, घर ही जा रहा हूं।' और बाद में पता चला कि वो भी उसी ऑडिशन में गया था, जहां मैं भी गया था। लेकिन उसने बताया नहीं। ऐसी छोटी-छोटी बातें बाद में समझ आने लगीं। इस इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं जो गहरी दोस्ती निभाते हैं। ज्यादातर लोग सिर्फ काम तक सीमित रहते हैं। मैं सबके साथ मिलना-जुलना पसंद करता हूं लेकिन अब मेरे बहुत कम दोस्त हैं। क्योंकि भरोसा करना आसान नहीं रहा।' मुझे पिछले पांच-छह साल से पॉलिटिक्स में बहुत दिलचस्पी है। खासकर कोविड के समय, जब मैंने इन्वेस्टमेंट और दुनियाभर की खबरें पढ़नी शुरू कीं, तब समझ में आया कि देश और दुनिया कैसे चलती है। मुझे जानवरों से बहुत लगाव है। मैं हमेशा चाहता हूं कि उनके लिए कुछ किया जाए, ताकि उनकी जिंदगी थोड़ी बेहतर हो सके। गांधी जी भी कहते थे कि करुणा जरूरी है। अगर पॉलिटिक्स के जरिए मैं किसी बदलाव की तरफ कदम बढ़ा सका, तो मैं जरूर उस रास्ते पर चलना चाहूंगा।

रेबेल विल्सन ने 'ब्राइड हार्ड' के सेट पर हुए हादसे को किया याद, बोलीं- मेरी नाक ही कट गई थी

नयी दिल्ली। एक एक्शन-

कॉमेडी फिल्म 'ब्राइड हार्ड' का रेबेल विल्सन हिस्सा हैं। 45 साल की इस हॉलीवुड एक्ट्रेस ने इस फिल्म में जमकर एक्शन सीन्स किए हैं। मगर जब फिल्म की शूटिंग खत्म हो रही थी तो एक्शन करते हुए उनकी नाक में चोट लगी और यह लगभग कट ही गई। इस हादसे से रेबेल डर गईं। इलाज के बाद वह ठीक हो चुकी हैं। हाल ही में इस हादसे का जिक्र इस हॉलीवुड एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया है। पीपुल से की गई बातचीत में रेबेल विल्सन कहती हैं, ' फिल्म 'ब्राइड हार्ड' में मुझे एक्शन करना अच्छा लगा। मुझे लगा कि यह मजेदार काम है। मैंने पहले ज्यादा एक्शन सीन्स फिल्मों में नहीं दिए हैं। लेकिन शूटिंग के आखिरी दिन सुबह 3 बजे मेरे साथ एक हादसा हुआ। एक फाइट सीन में गलती से एक बंदूक मेरे चेहरे पर लग गई। इससे मेरी नाक कट गई। सेट के लोग मुझे हॉस्पिटल लेकर गए। उस दौरान मैंने सोचा कि क्या मेरा चेहरा कभी ठीक हो पाएगा? मगर मैं लकी रही कि प्लास्टिक सर्जन ने मेरी नाक को ठीक कर दिया।' रेबेल विल्सन ने सोशल मीडिया पर अपनी नाक पर लगी चोट की तस्वीरें भी साझा की हैं। साथ ही वह बताती हैं कि उन्हें नाक पर लगे चोट के निशान को ठीक करने के लिए लेजर ट्रीटमेंट का सहारा लेना पड़ा। वह कहती हैं, 'वैसे अब मैं टॉम क्रूज और डेनियल क्रेग की लिस्ट में शामिल हो गई हूं। वे भी एक्शन मूवी करते हुए घायल हुए हैं। बस, मेरे लिए यही अच्छी बात है।'फिल्म 'ब्राइड हार्ड' को साइमन वेस्ट डायरेक्टर रहे हैं। इस फिल्म में रेबेल विल्सन ने एक सीक्रेट एजेंट का रोल किया है। फिल्म में अन्ना कैंप, डेविन जॉय रैंडोल्फ, गिगी जुंबाडो, स्टीफन डोरफ और जस्टिन हार्टले जैसे एक्टर्स भी शामिल हैं। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।